RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 217 , रविवार, 20 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

केविवि के मीडिया अध्ययन विभाग में नवोन्मेष-2026 का आयोजन 03

बिहार में एक करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ेंगे : सीएम 04

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म, ओटीटी अभिनेता... 07

बंगाल उपचुनाव में रेजीनगर से ममता के प्रत्याशी फिर पलटे

● रबीउल आलम ने सुबह कहा-नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले-लड़ूंगा

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 2 सीटों के उपचुनाव के पहले सियासी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। रेजीनगर में टीएमसी उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया। रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न 'जोड़ा घासफूल' नहीं मिलने और नया चिह्न 'फुटबॉल प्लेयर' मिलने को इसकी वजह बताया था। हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा। इससे एक दिन पहले नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। रेजीनगर और नंदीग्राम सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद और रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई है।

नया नाम-सिंबल विवाद, ममता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं- ममता बनर्जी ने टीएमसी का नाम और 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने

शुक्रवार को अपनी याचिका में चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को पक्षकार बनाया है। इससे एक दिन पहले 17 सितंबर को चुनाव आयोग ने दोनों टीएमसी गुटों को मूल नाम और चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करने से रोकते हुए अलग-अलग नाम और सिंबल दिए थे। अब दोनों गुट उपचुनाव में नई पार्टी नाम और सिंबल से चुनाव लड़ेंगे। ममता गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल प्लेयर' सिंबल मिला, जबकि अरूप रॉय गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' सिंबल आवंटित किया गया। टीएमसी में विवाद मई के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद शुरू हुआ। जून में 58 बागी विधायकों ने ममता खेमे के उम्मीदवार शोभनदेव चट्टोपाध्याय की जगह निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना। स्पीकर ने भी उन्हें मान्यता दे दी। इसके बाद पार्टी में 28 साल में पहली बार टूट हो गई। विवाद बाद में संसद तक पहुंचा।

सड़कों पर पशुओं को लावारिस छोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए एनएचएआई का कड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने वाले आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राजमार्गों और एक्सप्रेस वे पर मवेशियों को

लावारिस छोड़ने वाले पशु मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं और अन्य जानवरों की लगातार मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतः संज्ञान रिट याचिका में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस वे से आवारा पशुओं को सुरक्षित हटाने का निर्देश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

मां मोबाइल देख रही थी, बच्ची चलती ट्रेन से गिरी

खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी थी, झटके से बाहर हुई; चेन खींचकर बचाया

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में पवन एक्सप्रेस में मां के साथ सफर कर रही डेढ़ साल की बच्ची चलती ट्रेन से अचानक नीचे गिर गई। घटना 15 सितंबर को कटनी-जबलपुर के बीच हुई। ट्रेन कटनी स्टेशन से निकलने के बाद करीब 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। बच्ची इमरजेंसी खिड़की से करीब 8 फीट नीचे नुकीली गिट्टियों पर जा गिरी। उसे गायब

देख मां संजीदा खातून बदहवास हो गईं। यात्रियों ने फौरन चेन पुलिंग की और ट्रैक पर दौड़कर बच्ची को उठा लिया। उसके सिर, पीठ, हाथ-पैर में चोट लगने से बच्ची के शरीर से खून निकल रहा था। **बच्ची कब उठी, मां को पता ही नहीं चला-** 26 वर्षीय संजीदा मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उनके पति मुंबई में नौकरी करते हैं। वह डेढ़ साल की बेटी के साथ मुजफ्फरपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई जा रही थीं। वह लोअर बर्थ पर बच्ची को साइड में लिटाकर मोबाइल देख रही थीं। इसी दौरान बच्ची उठकर इमरजेंसी खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी हो गई। ट्रेन के झटके से वह खिड़की से बाहर जा गिरी। बच्ची अचानक गायब हुई तो मां घबरा गई।

पंजाब सीएम के काफिले पर पूर्व मंत्री ने फेंके अंडे-टमाटर

● बिट्टू हिरासत में, बोले-मान शराब का आनंद लें, केजरीवाल को पंजाब लूटने दें

लुधियाना (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लुधियाना में सीएम भगवंत मान के काफिले पर अंडे-टमाटर फेंके। बिट्टू ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के गेट के पास मुख्यमंत्री के काफिले की ओर शराब की बोतल लहराते हुए कहा कि वह मान को बोतल लौटा रहे हैं। उन्होंने बोतलें फेंकते हुए कहा- भगवंत मान अपनी शराब का आनंद लो और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को लूटने दें।

प्रदर्शन के दौरान पंजाब पुलिस ने बिट्टू को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए जाने के बाद बिट्टू के एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया-लोगों की आवाज को हिरासत और पर्चे से दबाया नहीं जा सकता। आज पंजाब पुलिस ने हमें हिरासत में ले लिया है, लेकिन हमारा हौंसला बुलंद है। बता दें कि एक दिन पहले बीजेपी की नशा मुक्त रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया था। बिट्टू शुक्रवार को अमृतसर से पठानकोट में यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे उस दौरान हमला हुआ था।

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है देश

पीएम बोले-इसमें आप जैसे युवाओं की है बड़ी भूमिका

पीएम मोदी ने युवाओं को बांटे 51 हजार नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है।

● **आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत-** पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, आपकी मेहनत तो है ही।

आज करीब आधे स्टार्टअप छोटे शहरों में

भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। और भारत की स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है। आज करीब आधे रिकग्नाइज्ड स्टार्टअप टियर2 और टियर3 शहरों में हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स समिट खत्म हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ब्रिक्स का सहयोग सिर्फ सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे एंटरप्रेन्योर्स, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ ब्रिक्स कनेक्ट और ब्रिक्स कोऑपरेशन पोर्टल जैसी पहल शुरू की गई हैं। पिछले कुछ सालों में भारत सरकार का लगातार ध्यान युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास-हमारी कोशिश यही रही है कि युवाओं की शिक्षा और उनके कौशल को बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए।

योगी उवाच-मैं नौकरी देता जाऊंगा वह गिनते जाएं

पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ में अखिलेश और शिवपाल यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहले नौकरियों में डकैती डालने के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी बेखौफ निकल पड़ती थी। आज उपदेश की भूमिका में हैं। 2027 के बाद उपदेश भी नहीं रह पाएंगे। योगी ने कहा- पहले बिना परीक्षा दिए ही नौकरी मिल जाती थी। विज्ञापन जारी होते ही ठेके बांट दिए जाते थे और धंधा शुरू हो जाता था। जिन्होंने 2017 से पहले नियुक्ति पत्र वितरण में गदर मचाई थी, वे नोट कर लें कि अगले 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। वे गिनते रहें, हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम ने लोकभवन में लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के 818 अभ्यर्थियों को जॉइनिंग लेटर बांटे।

आईआईटी बॉम्बे में एक और छात्र की आत्महत्या से हड़कंप

7 महीने में 3 स्टूडेंस्ट ने दे दी जान

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे अपनी बेहतरीन पढ़ाई के लिए जाना जाता है, लेकिन आज वहां के छात्र बेहद दुखी हैं और गुस्से में प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, सेकंड ईयर के एक

छात्र को परीक्षा में मोबाइल पर एआई का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था, जिसके बाद उसने खुदकुशी कर ली। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि पिछले सात महीनों में इस कैंपस में आत्महत्या का यह तीसरा मामला है। इससे पहले, इसी साल फरवरी में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में अपनी जान दे दी थी।

● **परीक्षा में एआई के इस्तेमाल पर पकड़ा गया था छात्र-** बीती शाम, साहिल वाकोडे नाम के छात्र को परीक्षा का प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर अपलोड कर उत्तर खोजते हुए पकड़ा गया था। अधिकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की थी, बल्कि उसकी काउंसलिंग की गई थी और उसे आश्वासन दिया गया था कि इसका उसके करियर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद वह अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया। वाकोडे की मौत के बाद आईआईटी बॉम्बे परिसर में 400 से अधिक छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों के एक समूह का आरोप है कि संस्थान के अधिकारियों ने वाकोडे को एक साल के निलंबन की धमकी दी थी। साथ ही यह भी कहा गया था कि इसके कारण उसे हॉस्टल छोड़कर परिसर के बाहर रहना पड़ सकता था।

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' में स्टूडेंस को लेकर बोले राहुल गांधी

छात्र नफरत नहीं करते, प्यार से बात करते हैं

इंदौर (एजेंसी)। राहुल गांधी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। राहुल ने 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय पर बात रखी। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र नफरत नहीं करते, प्यार से बात करते हैं। परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों से भी गलतियां हुई हैं, लेकिन कहीं न कहीं उनका सिस्टम पर भरोसा खत्म हो गया है। इस पर छात्रों की ओर से आवाज आई, सर, हम सिस्टम से हार गए। राहुल गांधी ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के लालच में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था का हिस्सा बने रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान छात्रों को उठाना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम छात्रों से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। छात्र

असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है और वे दबाव में हैं। उन्होंने कहा, आइए, छात्रों की आवाज सुनते हैं। वे सिस्टम के बारे में क्या कह रहे हैं, इसे सुनते हैं। छात्रों के मन में सवाल है कि परीक्षाओं पर भरोसा कैसे किया जाए? कैसे भरोसा करें कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है? कैसे पता चले कि किसी परीक्षा में सही तरीके से चयन हुआ है या नहीं?

आज स्टूडेंट खुश नहीं, उन्हें भविष्य नहीं दिख रहा

राहुल गांधी ने कहा- अगर आज हम स्टूडेंट्स से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। स्टूडेंट्स असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य नहीं दिख रहा और वे दबाव में हैं। राहुल गांधी ने कहा,आपने मेरा जिस तरह स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा, देहरादून और पुणे के बाद अब इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। राहुल ने कहा कि हर शहर में कार्यक्रम के दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दे और उनके भविष्य से जुड़े सवाल उठाए जाते हैं।

अयोध्या के राम मंदिर में अब पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू

तुलसी कंठी धारण करने वाले पुजारी ही गर्भगृह में कर सकेंगे प्रवेश

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद रामलला की पूजा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है। पूजा व्यवस्था के संचालन के लिए गठित नई धार्मिक समिति ने पूजा अर्चना को रामानंदी परंपरा के मुताबिक कड़ाई से पालन करने की व्यवस्था की है। अब पुजारियों के लिए ड्रेस कोड बनाया है। इसके मुताबिक पुजारियों को पीत वस्त्र धारण करना होगा। साथ में वे दाढ़ी-मूंछ व केश रखेंगे अथवा क्लीन सेव रहना होगा। रोजाना धुली पीले रंग की ड्रेस पहननी होगी जो रेशमी अथवा सूती कपड़े की हो सकती है। धार्मिक समिति के सदस्य महंत राजकुमार दास ने बताया कि यदि किसी पुजारी के घर मे किसी का जन्म अथवा मृत्यु होती है तो सूतक के दौरान रामलला के गर्भगृह में प्रवेश नहीं करेगा। शुद्धिकरण के बाद ही वह पूजा कर

सकेगा। पुजारी ही रामलला के गर्भगृह में प्रवेश कर सकेंगे। उनको रामानंदी परंपरा में दीक्षित होना व तुलसी की माला धारण करना भी अनिवार्य किया गया है।

एमपी में उफनते नाले में बही कार, 8 की मौत

इनमें 7 ओडिशा के, लोगों ने किया चक्काजाम

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा के नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे शामिल हैं। 7 मृतक ओडिशा के हैं, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौद का रहने वाला था। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी। एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक, हादसा रात करीब 3 बजे हुआ। शुरुआती जांच में मौत का कारण डूबना सामने आया है। पुलिस मंदिर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ड्राइवर समेत 6 मृतकों की पहचान हो गई है। ड्राइवर अरुण गोयल के अलावा मृतकों में राधा रानी बहेरा, ज्ञानेंद्र कुमार बहेरा, रितारानी पत्नी ज्ञानेंद्र बहेरा शामिल हैं।

भारत के लिए मुश्किल बढ़ा सकती है ट्रंप की 'मनमर्जी'

● ट्रम्प ने 100 फीसदी टैरिफ वाला बिल कर दिया साइन ● रूस से तेल खरीदने वाले सभी देशों पर कसा शिकंजा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रम्प ने इस बिल पर साइन कर दिया है और अब यह कानून बन चुका है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास किया था। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े थे। सीनेट अगस्त में इसे 86-11 वोट से पास कर चुकी है।

इसे आधिकारिक तौर पर लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और

अजरबैजान शामिल हैं। भारत अपनी जरूरत का 40 फीसदी से ज्यादा क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हर 180 दिन में इस लिस्ट का आंकलन करेंगे। अमेरिका की तरफ से 100 फीसदी टैरिफ पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि देश के हितों से समझौता नहीं करेंगे।

बीते 2 साल में भारत का रूस से तेल आयात- यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना तेजी से बढ़ाया। 2022-23 में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया। युद्ध से पहले भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता था, लेकिन बाद में यह बढ़कर रोजाना करीब 16 से 20 लाख बैरल तक पहुंच गया। अब भारत अपनी जरूरत के 40 फीसदी से ज्यादा कच्चे तेल का आयात रूस से कर रहा है। इससे भारत रूस से तेल खरीदने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गया है। रूस के अलावा, भारत मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और कतर से तेल खरीदता है। इसके अलावा कई अन्य देश भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीवी के अंदर छिपाकर ले जा रहे थे हेरोइन, पुलिस ने 4 तस्करों को गिरफ्तार किया, 7 लाख की हेरोइन बरामद

हाजीपुर। हाजीपुर में पुलिस ने हेरोइन तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इंडस्ट्रियल एरिया थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई में आरोपियों के पास से टीवी के अंदर छिपाई गई हेरोइन मिली है। बरामद हेरोइन की कीमत 5 से 7 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस की जांच में पता चला कि बिदुपुर थाना क्षेत्र का एक आरोपी अगरतला से ट्रेन से हेरोइन लेकर आ रहा था। वह चक्रकरमंद रेलवे स्टेशन पर उतरा। पुलिस को इसकी गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद उसे स्टेशन से ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद पुलिस उसे बिदुपुर ले जा रही थी। इसी दौरान हेरोइन तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की जानकारी मिली। पुलिस ने इंडस्ट्रियल एरिया थाना क्षेत्र में संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच की। इस दौरान चार आरोपियों को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर टीवी के अंदर छिपाकर रखी गई हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार चारों आरोपी बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि हेरोइन कहां से लाई गई थी और इसे हाजीपुर में किसे सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बईसमाइल चौक पर सड़क किनारे मिला अज्ञात शव, फोरेंसिक टीम बुलाई गई

हाजीपुर। वैशाली के हरलोचनपुर थाना क्षेत्र के बईसमाइल चौक पर शनिवार सुबह सड़क किनारे एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत हरलोचनपुर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुबोध कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई। थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के मुताबिक, शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घटना की जांच के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। पुलिस ने शव के पास से एक रुमाल, एक चाबी और कुछ रुपये बरामद किए हैं। इन्हीं सामानों के आधार पर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। शव मिलने के बाद इलाके में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में अपराध का डर और पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। हालांकि, मृतक की मौत कैसे हुई और शव यहां किस हालत में पहुंचा, इसका खुलासा पुलिस जांच और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, पेंशन लेने बैंक जा रही थी, वैशाली के गरौल में हुआ एक्सीडेंट

हाजीपुर। वैशाली के गरौल थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में 70 वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। महिला वृद्धावस्था पेंशन की राशि लेने ग्रामीण बैंक जा रही थीं। इसी दौरान गोढ़िया मंडी के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतका की पहचान गरौल थाना क्षेत्र के कटरमाला गांव निवासी जागेश्वर पासवान की पत्नी नारिया देवी (70) के रूप में हुई है। बताया गया कि नारिया देवी घर से वृद्धावस्था पेंशन लेने के लिए ग्रामीण बैंक जा रही थीं। वह गोढ़िया मंडी के पास पहुंची थीं, तभी सड़क पर गुजर रहे एक मोटरसाइकिल सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नारिया देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद नारिया देवी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। नारिया देवी के दो बेटे और एक बेटी हैं। उनके बेटे रामाधार पासवान ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मोटरसाइकिल सवार की पहचान और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

डिवाइडर से कटकर 10 मीटर दूर गिरा वकील का सिर, मौत, पिछली सीट पर बैठे थे, कार पर खून के छींटे

हाजीपुर। वैशाली में शुक्रवार रात श्राद्ध कार्यक्रम से लौट रहे एक वकील की सड़क हादसे में मौत हो गई। वो गाड़ी की पिछली सीट पर बैठे थे। सिर बाहर था, जो डिवाइडर से कटकर दूसरी ओर गिर गया। हादसे के बाद कार के पिछले हिस्से पर खून के छींटे फैल गए। एक्सीडेंट में तीन लोग घायल भी हुए हैं। घटना सदर थाना क्षेत्र में पुलिस लाइन के पास NH-22 पर हुई। मृतक की पहचान बकसामा गांव निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है। वह हाजीपुर सिविल कोर्ट में वकील थे। कुंदन कोर्ट के पेशकार के यहां आयोजित श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। उनके साथ गोलू, गौरव और ज्ञानू भी कार में सवार थे। इसी दौरान मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मार्ग NH-22 पर महिला थाना के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी कार को चकमा दे दिया। ट्रक से बचने के लिए कार चला रहे वकील ने गाड़ी को साइड करने की कोशिश की। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। कुंदन कुमार पीछे की सीट पर बैठे थे और उनका सिर कार की खिड़की से बाहर था। हादसे के दौरान उनका सिर एल्युमिनियम की डिवाइडर से टकराया और कटकर करीब 10मीटर दूर दूसरी तरफ गिरा। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार अन्य 3 वकील भी गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी वकील मोहन सिंह ने बताया, "हम सभी कोर्ट के पेशकार के पिता के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। हाजीपुर पुलिस लाइन के पास ने उनकी का एक बड़े ट्रक ने हमारी कार को चकमा दे दिया। इससे हमारी कार डिवाइडर से टकरा गई। कार में कुल चार लोग सवार थे। हादसे में कुंदन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार बाकी तीनों अधिवक्ता घायल हो गए।" स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

पटना में बैठकर अमेरिकी नागरिकों से लाखों की साइबर ठगी, 4 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में बैठकर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर लाखों रुपए की ऑनलाइन साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। मुसल्लहपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 9 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 1.09 लाख रुपए नकद, 2 बाइक और 7 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में गिरोह के तार हवाला नेटवर्क से जुड़े होने की बात भी सामने आई है।

कंप्यूटर में खराबी का झांसा देकर बनाते थे शिकार: पटना सिटी के एसडीपीओ-1 राज किशोर सिंह ने बताया, 'मुसल्लहपुर थाना पुलिस को साइबर फ्रॉड से जुड़े गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई में सबसे पहले अक्षय कुमार शाह को पकड़ा गया। पूछताछ में मिली जानकारी और उसकी निशानदेही पर ओमप्रकाश, सत्य कुमार, अभिषेक कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।' पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य इंटरनेशनल कॉल के जरिए अमेरिका में बैठे लोगों को निशाना बनाते थे। वे कंप्यूटर सिस्टम में खराबी होने का झांसा देकर लोगों से संपर्क करते थे। इसके बाद ऑनलाइन

तरीके से कंप्यूटर सिस्टम का एक्सेस लेकर समस्या ठीक करने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली जाती थी।

फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले MBA पास युवक भी शामिल: पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह में तकनीकी जानकारी रखने वाले युवक शामिल थे। पुलिस के मुताबिक, कुछ आरोपियों ने MBA तक की पढ़ाई की है और वे फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हैं। इसी स्किल का इस्तेमाल वे विदेशी नागरिकों से बातचीत करने और उन्हें भरोसे में लेने के लिए करते थे। आरोपी पिछले करीब चार वर्षों से इस तरह की गतिविधियों में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों का संबंध महुआ, अगमकुआं, औरंगाबाद और राजीव नगर इलाके से बताया गया है।

हवाला के जरिए लाखों के लेनदेन की भी जांच: पुलिस जांच में गिरोह के हवाला नेटवर्क से जुड़े होने का भी पता चला है। एसडीपीओ के अनुसार, आरोपियों से जुड़े बैंक खातों में करीब 3.50 लाख रुपए की राशि को होल्ड कराया गया है। पुलिस अब इन खातों से हुए लेनदेन, रकम भेजने और प्राप्त करने वाले लोगों के साथ ही हवाला नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है।

एमबीए पास युवक भी गिरोह में शामिल, लाखों कैश, लैपटॉप-मोबाइल और एटीएम बरामद

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े कई अन्य लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस ने बरामद 9 मोबाइल और 4 लैपटॉप को तकनीकी जांच के लिए भेजा है। इनके जरिए अमेरिकी नागरिकों को किए गए कॉल, ऑनलाइन लेनदेन और अन्य डिजिटल गतिविधियों का ब्योरा खंगाला जा रहा है। फिलहाल, चारों आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस हवाला नेटवर्क समेत पूरे साइबर फ्रॉड नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

दशहरा को लेकर अग्निशमन विभाग की तैयारियां शुरू

एजेंसी, पटना

सोमवार से होगी फायर मैपिंग, 300 वर्ग मीटर से बड़े पंडालों के लिए सर्टिफिकेट जरूरी

पटना में अग्निशमन विभाग ने दशहरा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार से जिले के पूजा पंडालों की मैपिंग का काम शुरू किया जाएगा। यह अभियान करीब एक सप्ताह तक चलेगा। जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि सभी पूजा समितियों को विभाग के मुख्यालय की ओर से जारी एसओपी का पालन करना होगा। 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में बनाए जाने वाले पूजा पंडालों के लिए फायर सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही बिजली विभाग से भी प्रमाण पत्र लेना होगा। विभाग की ओर से पूजा समितियों से सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

वॉलेंटियर्स को ट्रेनिंग दी जाएगी: इस बार पूजा पंडालों में वॉलेंटियर्स की तैनाती भी अनिवार्य की गई है। इन वॉलेंटियर्स को अग्निशमन विभाग की ओर से आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि किसी आपात स्थिति में वे तुरंत मदद कर सकें। 5000 वर्ग फीट वाले पंडालों की पूजा समितियों को प्रपत्र 'द' के तहत घोषणा पत्र भी देना होगा।

कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग: इसके अलावा जरूरत के अनुसार अस्थायी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। अग्निशमन विभाग पंडालों की स्थिति और पहुंच मार्ग की भी जानकारी जुटाएगा। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यालय से समन्वय कर दूसरे जिलों से भी अग्निशमन वाहन मंगाए जाएंगे। पिछली बार 550 पूजा पंडाल पटना जिले में बनाए गए थे। इस बार भी इसी के आस पास पंडाल बनने के अनुमान लगाए जा रहे हैं।

कदमकुंआ इलाके से युवक लापता 12 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र से एक युवक 8 सितंबर रात 9 बजे से लापता है। 12 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन परेशान हैं। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। लापता युवक की पहचान सैदपुर निवासी राजा कुमार(21) के तौर पर हुई है। परिवार के अनुसार, राजा के लापता होने के बाद काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। मामले को लेकर कदमकुआं थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चला है। पिता अजय रजक ने बताया कि मेरा 10th पास आउट है। इंटरमीडिएट में एडमिशन लेने वाला था। अचानक मोहल्ले से गायब हो गया। जिस वक्त गायब हुआ, उस समय लाइट कटी हुई थी। पिछले 12 दिनों से हमलोग परेशान हैं। उसके साथ दो और लड़के मोहल्ले के गायब हुए थे। जिनमें से

दो दिल्ली से मिले मेरा बेटा अभी तक नहीं मिला है। आशंका जाहिर की है कि उनके बेटा को गायब किया गया हैx और वह किसी संकट में है। राजा के पिता अजय रजक ने आम लोगों, सामाजिक संगठनों और मीडिया से अपील की है कि उनके बेटे की तस्वीर और लापता होने की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि राजा का जल्द पता लगाया जा सके। पिता ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अगर किसी व्यक्ति को राजा के बारे में कोई जानकारी मिलती है तो वह तुरंत परिवार, नजदीकी पुलिस स्टेशन या संबंधित पुलिस को सूचना दें।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने केसीआर को बताया बिहारी, बोले- बिहार से लूटने के लिए आए थे

एजेंसी, पटना

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के. चंद्रशेखर राव(केसीआर) को बिहारी बताया है। आरोप लगाते हुए कहा कि वे तेलंगाना को लूटने के लिए बिहार से आए थे। निजामों ने तेलंगाना पर लंबे समय तक शासन किया और जाते समय अपनी संपत्तियां यहीं छोड़ गए। बाद में एक परिवार ने उन संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। सिर्फ एक परिवार ने इसे लूटने की कोशिश की। हम यहां ऐसी किसी भी कोशिश को कामयाब नहीं होने देंगे।

बीजेपी ने कांग्रेस को घेरा: रेवंत रेड्डी के बयान पर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। सत्ताधारी दल बीजेपी और जेडीयू ने निशाना साधा है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि यह कांग्रेसी मानसिकता को दिखाता है। कांग्रेसी मानसिकता विदेशी डीएनए का है। यह केसीआर के बारे में बोल रहे हैं, वह भारतीय डीएनए है। इस देश में केवल एक डीएनए है वह भारत का डीएनए है।

तेजस्वी यादव को जवाब देना चाहिए: जदयू प्रवक्ता महेश दास ने कहा कि रेवंत रेड्डी जी

बिहारी स्वाभिमान का प्रतीक है और वह मेहनती होते हैं। ईमानदारी से अपना कार्य करते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कहां हैं, उनको जवाब देना चाहिए। उनके महागठबंधन के अपने नेता बिहारी के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

आरजेडी ने किया पलटवार: तेलंगान सीएम के बयान पर आरजेडी और कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केसीआर के बहाने बिहार और बिहारियों का अपमान मत कीजिए। अगर बिहारी के लिए

बीजेपी बोली- कांग्रेसी को इटली का डीएनए समझ में आ रहा है

बेहतर कार्य नहीं कर सकते हैं तो उनके संबंध में इस तरह की भाषा का प्रयोग न कीजिए।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भी घेरा: कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने रेवंत रेड्डी के बयान को घटिया बताया है। उन्होंने कहा कि यह उसी तरह से घटिया है, जिस तरह से प्रधानमंत्री का बयान नीतीश कुमार के डीएनए को लेकर दिया गया था। कांग्रेस पार्टी रेवंत रेड्डी के इस बयान से बहुत ही आहत महसूस कर रही है।

रेवंत रेड्डी और केसीआर के बीत आरोप-प्रत्यारोप: रेवंत रेड्डी सरकार पहले भी KCR परिवार से जुड़े जमीन और संपत्ति के मामलों की जांच को लेकर आक्रामक रुख अपनाती रही है। सरकार की ओर से कुछ मामलों में जांच के आदेश भी दिए गए हैं। केसीआर की पार्टी BRS इन आरोपों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रही है।

बिहार के जेन-जी से संवाद करेंगे चिराग पासवान

एजेंसी, पटना

पटना के वेटनरी ग्राउंड में लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) पार्टी की ओर से 24 सितंबर को 'Youth BOLE TO' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार के युवाओं, खासकर Gen-Z से सीधे संवाद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने की कार्यक्रम की घोषणा: आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक ने कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पार्टी स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसमें बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी बात खुलकर रख सकें। अपने सवाल सीधे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के सामने रख सकें।

शिक्षा से रोजगार तक युवाओं के मुद्दों पर होगी चर्चा: 'Youth BOLE TO' कार्यक्रम में युवाओं से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। इसमें शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता, तकनीक और डिजिटल युग की चुनौतियों के साथ-साथ युवाओं के भविष्य से जुड़े विषय शामिल होंगे। पार्टी के मुताबिक, कार्यक्रम का फोकस केवल युवाओं को संबोधित करने पर नहीं, बल्कि उनसे सीधे संवाद करने और उनकी बात सुनने पर रहेगा। युवा अपनी समस्याओं, सुझावों और भविष्य से जुड़ी अपेक्षाओं को कार्यक्रम में सामने रख सकेंगे।

पटना के वेटनरी ग्राउंड में 24 सितंबर को कार्यक्रम, शिक्षा-रोजगार से लेकर टेक्नोलॉजी पर होगी चर्चा

Gen-Z से सीधे संवाद पर जोर: लोजपा (रामविलास) ने इस कार्यक्रम में खास तौर पर नई युवा पीढ़ी को केंद्र में रखा है। पार्टी का कहना है कि तेजी से बदलते तकनीकी और डिजिटल दौर में युवाओं की सोच और उनकी प्राथमिकताएं भी बदल रही है। इस कार्यक्रम के जरिए युवाओं और राजनीतिक नेतृत्व के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। युवा अपने सवाल पूछने के साथ-साथ मौजूदा समय की चुनौतियों और भविष्य को लेकर अपनी राय भी रख सकेंगे।

युवा केवल भविष्य नहीं, वर्तमान की भी ताकत: सुरेंद्र विवेक ने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं हैं, बल्कि वर्तमान में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं की सोच, सुझाव और समस्याओं को समझना और उन्हें नीति एवं विकास की मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने 'Youth BOLE TO' कार्यक्रम की पहल की है। पार्टी का कहना है कि युवाओं की आकांक्षाओं और उनकी बदलती जरूरतों को समझने के लिए सीधे संवाद का माध्यम महत्वपूर्ण है।

युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष को मिली जिम्मेदारी: प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की तैयारियों और इसके सफल आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के सुचारू संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष को कार्यक्रम संयोजक के रूप में सौंपी गई है। पार्टी स्तर पर कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।

पटना में देखिए तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ का डांस

एजेंसी, पटना

पटना के एक निजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया पहुंचे। दोनों ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' के गाने 'समझो ना' पर डांस किया।

तमन्ना और सिद्धार्थ का डांस देखकर बड़ी संख्या में युवा भी थिरकने लगे। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अपनी आने वाली फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे थे। दोनों कलाकारों ने कार्यक्रम के दौरान फिल्म की कहानी और शूटिंग से जुड़े अनुभव भी साझा किए। इसके साथ ही एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और निर्माता एकता कपूर ने पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात भी की। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर पटना में रिलीज

किया गया था। इसके बाद से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। द वन फिल्म की टीम पटना जक्शन स्थित महावीर मंदिर पहुंच कर पूजा-अर्चना की। टीम के साथ एकता कपूर, अभिनेत्री तमन्ना भाटिया, अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा आदि मौजूद थे। श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने एकता कपूर, तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा को मंदिर कॉफी टेबल बुक दिया। सभी को मंदिर की ओर रामनामा भेंट भी किया गया।

मॉल से लेकर अस्पतालों के प्रॉपर्टी टैक्स की होगी जांच

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम ने राजस्व बढ़ाने और शहर में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। एक ओर निगम ने पार्किंग स्थल पर कथित अवैध वसूली के मामले में एजेंसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं अवैध यूनिपोल हटाकर छह मामलों में भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही बड़े मॉल, अस्पताल और कॉम्प्लेक्स सहित अन्य संपत्तियों के प्रॉपर्टी टैक्स की जांच होगी। इसके लिए टाउन प्लानर और आर्किटेक्ट की विशेषज्ञ टीम को अभियान में शामिल किया गया है।

मेदांता के सामने पार्किंग में अवैध वसूली का आरोप, एजेंसी के खिलाफ FIR: कंकड़बाग में मेदांता अस्पताल के सामने बने नगर निगम के पार्किंग स्थल पर ठेला और वेंडरों को जगह देने के नाम पर पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पटना नगर निगम ने पार्किंग का संचालन करने वाली अमेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कंकड़बाग थाने में FIR दर्ज कराई है। निगम के अनुसार, एजेंसी को इस जगह पर स्मार्ट पार्किंग संचालित करने और तय पार्किंग शुल्क लेने की जिम्मेदारी दी गई थी। आरोप है कि एजेंसी की ओर से पार्किंग चलाने के बजाय स्थल के कुछ हिस्सों में ठेला और वेंडरों को जगह दी जा रही थी। इसके बदले उनसे कथित तौर पर 100 से 300 रुपये तक की राशि ली जा रही थी।

छह जगहों से हटाए गए अवैध यूनिपोल: शहर में बिना अनुमति लगाए जा रहे यूनिपोल और विज्ञापन बोर्डों के खिलाफ पटना नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। कंकड़बाग अंचल में छह जगहों पर लगे अवैध यूनिपोल हटाए गए। साथ ही इन मामलों में अज्ञात लोगों के खिलाफ कंकड़बाग थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। नगर निगम की टीम ने साई नेत्रालय के पास, कंकड़बाग टेंपो स्टैंड, विकलांग भवन के सामने, लोहिया नगर पोस्ट ऑफिस के पास, मेदांता अस्पताल के गेट नंबर-1 और अस्पताल के पीछे लगे यूनिपोल को हटाया।

बड़े मॉल, अस्पताल और कॉम्प्लेक्स के संपत्ति कर की होगी जांच: पटना नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स से होने वाली आय बढ़ाने और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सही टैक्स असेसमेंट सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान तेज कर दिया है। अब बड़े मॉल, मार्केट कॉम्प्लेक्स, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल, जमीन और अन्य बड़ी संपत्तियों की जांच टाउन प्लानर और आर्किटेक्ट करेंगे। इसके लिए पांच टाउन प्लानर और दो आर्किटेक्ट की विशेषज्ञ टीम को अभियान में शामिल किया गया है।

मेदांता के सामने पार्किंग में अवैध वसूली का आरोप, कंकड़बाग में 6 अवैध यूनिपोल हटाए

क्षेत्रफल, स्वीकृत नक्शा और दर्ज संपत्ति कर का मिलान होगा: आधुनिक उपकरणों से वास्तविक क्षेत्रफल, स्वीकृत नक्शे और जमा किए जा रहे संपत्ति कर का मिलान किया जाएगा। गड़बड़ी मिलने पर फोटो और वीडियो साक्ष्य के साथ रिपोर्ट तैयार की जाएगी और नियमानुसार पेनाल्टी के साथ दोबारा कर निर्धारण होगा। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को अपने-अपने अंचल में बड़ी संपत्तियों का स्थल निरीक्षण कराने का निर्देश दिया है। नूतन राजधानी और पाटलिपुत्र अंचल में दो-दो विशेषज्ञ, जबकि कंकड़बाग, बांकीपुर, पटना सिटी और अजीमाबाद में विशेषज्ञों की तैनाती की गई है।

699 संपत्तियों से 45.22 लाख से अधिक वसूली: अभियान के दौरान शुक्रवार को 699 संपत्तिधारकों से 45.22 लाख रुपये से अधिक संपत्ति कर वसूला गया। कंकड़बाग अंचल में सबसे अधिक 11.71 लाख रुपये का संग्रह हुआ, जबकि पाटलिपुत्र अंचल में सबसे अधिक 159 संपत्तियों ने कर जमा किया। अजीमाबाद से 7.43 लाख, बांकीपुर से 4.38 लाख, नूतन राजधानी से 10.29 लाख, पाटलिपुत्र से 9.64 लाख और पटना सिटी से 1.77 लाख रुपये की वसूली हुई।

पुराने कपड़े-किताब नहीं होंगे बेकार, निगम की RRR वैन करेगी संग्रह: स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत पटना नगर निगम का 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026' जारी है। निगम की RRR (रिड्यूज, रियूज, रिसाइकिल) वैन लोगों के घरों से पुराने कपड़े, किताबें, खिलौने, जूते, बर्तन और अन्य उपयोगी सामान एकत्र करेगी। इन सामानों को फेंकने के बजाय दोबारा इस्तेमाल में लाया जाएगा और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा। शुक्रवार को अजीमाबाद अंचल के वार्ड-57 में विशेष RRR कलेक्शन ड्राइव चलाया गया।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जन शिक्षण संस्थान में दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

बीएनएम@ मोतिहारी । कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान, मोतिहारी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 17 सितंबर 2026 से हुआ, जो आगामी 2 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को संस्थान के सभी कर्मियों, प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था, उसमें केवल राजनीतिक आजादी ही नहीं, बल्कि स्वच्छ एवं विकसित राष्ट्र की भी परिकल्पना थी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर देश को आजादी दिलाई। अब हमारा कर्तव्य है कि बापू की कर्मभूमि सहित अपने आसपास के क्षेत्र और गांवों को स्वच्छ रखकर गंदगी को दूर करें और राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दें। निदेशक ने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से करना जरूरी है। जब हम स्वयं में बदलाव लाएंगे, तभी समाज में बदलाव लाने में सक्षम होंगे। उन्होंने स्वच्छता को सभी के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर देश को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

हत्या के प्रयास के दो अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक हिरासत

बीएनएम@ विजय कुमार/ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र में पुलिस ने अपराध नियंत्रण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए हत्या के प्रयास के दो अलग-अलग मामलों में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया और आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रामगढ़वा थाना कांड संख्या 333/26 (हत्या का प्रयास) के प्राथमिकी अभियुक्त गुड्डू सिंह, पिता- बच्चा सिंह, डुमरी, रामगढ़वा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरे मामले में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 334/26 (हत्या का प्रयास) के प्राथमिकी अभियुक्त रिपु सिंह, पिता- नारायण सिंह, डुमरी, रामगढ़वा निवासी को भी पुलिस ने धर दबोचा है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि दोनों अभियुक्तों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज था, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चार लीटर चुलाई शराब बरामद, चार गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के रामपुरवा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर चार लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की है। मौके से शराब की खरीद-बिक्री में संलिप्त होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में रामपुरवा निवासी रघुनाथ राम की पत्नी चिंता देवी, मानिकपुर निवासी सुंदरतली मियां के पुत्र जेड आलम, लोथा माझी के पुत्र रामजी माझी तथा मेहता टोला निवासी नगीना माझी शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया में भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में हरसिद्धि थाना में कांड संख्या 471/26, दिनांक 18 सितंबर 2026 को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए)/37 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रामपुरवा में छापेमारी की गई, जहां से चार लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुई। मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा, लंबित आवासों को एक सप्ताह में स्वीकृति देने का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली गई तथा अधिकारियों को लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में जिला स्तर पर निर्धारित 1,06,343 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 1,06,286 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 57 आवासों की स्वीकृति लंबित है। इनमें कल्याणपुर में 12, रामगढ़वा में 10 और मधुबन में 8 आवास सबसे अधिक लंबित हैं। उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर नियमानुसार शत-प्रतिशत आवासों की स्वीकृति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ऐसे आवास जो रिमांड योग्य हैं, उन्हें नियमानुसार अविलंब रिमांड कराने को भी कहा गया। इसी योजना के तहत कुल 48,801 लाभुकों को तृतीय किस्त का भुगतान किया जा चुका है और 37,563 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं, तृतीय किस्त प्राप्त करने के बावजूद 11,238 आवास अभी अपूर्ण हैं। ढाका, चिरैया और छौड़ादानो में ऐसे अपूर्ण आवासों की संख्या क्रमशः 1,102, 735 और 722 है। सभी बीडीओ को तृतीय किस्त प्राप्त लाभुकों को 90 कार्य दिवस की मनरेगा मजदूरी उपलब्ध कराते हुए आवासों को पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा में यह भी पाया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत SNA SPARSH के माध्यम से प्राप्त राशि के विरुद्ध अब तक 89.56 प्रतिशत भुगतान किया गया है। मेहसी, रामगढ़वा और तुरकौलिया में भुगतान का प्रतिशत क्रमशः 64.70, 76.77 और 82.02 प्रतिशत रहा। वहीं, बनकटवा, बंजरिया, तेतरिया एवं घोड़ासहन प्रखंडों ने प्राप्त आवंटन का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। शेष प्रखंडों के बीडीओ को प्राप्त राशि के विरुद्ध शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आवास स्वीकृति के विरुद्ध प्रथम किस्त के लंबित एफटीओ के मामले में मधुबन, बनकटवा और रामगढ़वा क्रमशः 202, 185 और 175 मामलों के साथ आगे हैं। प्रथम किस्त के विरुद्ध द्वितीय किस्त के लंबित एफटीओ में चकिया, केसरिया और तुरकौलिया में क्रमशः 1,473, 1,303 और 1,239 मामले लंबित हैं। वहीं, द्वितीय किस्त के विरुद्ध तृतीय किस्त के लंबित एफटीओ में चिरैया, केसरिया और तुरकौलिया में क्रमशः 2,348, 2,239 और 2,095 मामले हैं। सभी बीडीओ को लंबित एफटीओ शीघ्र जनरेट कराने का निर्देश दिया गया।मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक जिला स्तर पर निर्धारित 2,203 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 2,037 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 166 आवास लंबित हैं। चिरैया, कोटवा और मेहसी में क्रमशः 15, 13 और 13 आवास लंबित हैं। संबंधित बीडीओ को इन आवासों को नियमानुसार शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक निर्धारित 2,890 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 2,840 आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा 50 आवास लंबित हैं। आदापुर, रामगढ़वा और रक्सौल में छह-छह आवास लंबित हैं। संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को लंबित आवासों को नियमानुसार पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन करने तथा लाभुकों को निर्धारित समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

भोजन सेवा मानवता की सच्ची सेवा : विनोद जालान

» अन्नपूर्णा रसोई के 228वें सप्ताह में 400 से अधिक जरूरतमंदों के बीच वितरित हुआ भोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

गरीबों एवं जरूरतमंदों के बीच भोजन सेवा समाज की सबसे बड़ी और पवित्र सेवाओं में से एक है। यह महज किसी की भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सहानुभूति को जीवंत रखने का सशक्त जरिया है। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना साक्षात ईश्वर की सेवा करने के समान है। सच्ची खुशी दूसरों की मदद और सेवा करने में ही निहित है। उक्त बातें देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद एवं सीता देवी ओंकार नाथ जालान सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में संचालित साप्ताहिक निःशुल्क भोजन सेवा 'अन्नपूर्णा रसोई' के 228वें सप्ताह के अवसर पर बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम के दौरान आजीवन सहयोगी विनोद जालान ने कहीं। इस अवसर पर अन्नपूर्णा रसोई के सेवक राम भजन ने बताया कि भोजन प्राप्त करने के लिए महिलाओं एवं पुरुषों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। इस दौरान 400 से अधिक जरूरतमंदों, टेंपो एवं रिक्शा चालकों, दैनिक मजदूरों तथा यात्रियों के बीच प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा के दौरान जरूरतमंदों को चावल, सब्जी, सलाद, घुघनी एवं लाई का वितरण किया गया। भोजन पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में रविंद्र कुमार, गुड्डू कुमार, श्री भगवान, आनोद कुमार, रामचंद्र प्रसाद सहित अन्नपूर्णा रसोई के अन्य सेवकों ने सक्रिय रूप से अपनी सेवा दी। सेवा कार्य में जुटे सभी सदस्यों ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची जिम्मेदारी भी है।

बेलबनवा में शराब पार्टी पर पुलिस का धावा, PNB के पांच कर्मी हिरासत में

बीएनएम@ मोतिहारी

शराबबंदी वाले बिहार में मोतिहारी शहर के बेलबनवा इलाके में कथित शराब पार्टी की सूचना पर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से पांच लोगों को हिरासत में लिया। इनमें पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के अधिकारी, क्लर्क और बैंक से निजी तौर पर जुड़े व्यक्ति शामिल बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, थाने में ब्रेथ एनालाइजर से हुई जांच में पांचों के शराब पीने की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार, बेलबनवा इलाके में एक स्थान पर कुछ लोगों के शराब पार्टी करने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही नगर थाना की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही वहां अफरातफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोग छिपने और भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने तलाशी लेकर पांचों को बाहर निकाला और हिरासत में लेकर नगर थाना पहुंचाया। हिरासत में लिए गए लोगों में PNB के रीजनल कार्यालय चांदमारी में कार्यरत अधिकारी प्रतीक सिन्हा, राजाबाजार शाखा के अधिकारी संजय कुमार, बैंक में क्लर्क के पद पर कार्यरत तरुण कुमार और लक्की सिंह शामिल हैं। पांचवें व्यक्ति की पहचान इंद्रजीत कुमार के रूप में हुई है, जो निजी तौर पर PNB से जुड़ा बताया गया है।

ब्रेथ एनालाइजर में शराब की पुष्टि-नगर थानाध्यक्ष राजीव ने बताया कि थाने पर ब्रेथ एनालाइजर से पांचों की जांच कराई गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब पार्टी में शराब कहां से पहुंची, इसे उपलब्ध कराने वाला कौन था और मौके पर पांचों के अलावा कोई अन्य व्यक्ति भी मौजूद था या नहीं। पूरे मामले की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शहर के रिहायशी इलाके में इस तरह की पार्टी की सूचना से पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

केविवि के मीडिया अध्ययन विभाग में नवोन्मेष-2026 का आयोजन

» उद्घाटन सह अकादमिक सत्र में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर चर्चा
» विद्यार्थियों में दिखा विशेष उत्साह

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के बृहस्पति सभागार में शनिवार को मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा 'नवोन्मेष-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम के अकादमिक में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, डिजिटल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पत्रकारिता को जनकल्याण का माध्यम बनाने पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रा मुस्कान द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन देते हुए विभाग के वरिष्ठ सह आचार्य डॉ. अंजनी कुमार झा ने विद्यार्थियों को मीडिया क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने, सीखते रहने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की बात कही। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में अनुशासन और गरिमा के साथ रहने तथा संस्थान की सकारात्मक छवि बनाए रखने की बात कही। अकादमिक सत्र के मुख्य अतिथि राकेश प्रवीर, मुख्य वक्ता आलोक कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार भगत सहित अन्य अतिथियों तथा संकाय सदस्यों का सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकारों के लिए केवल पारंपरिक पत्रकारिता का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को स्वयं से यह सवाल करना चाहिए कि वे मानसिक रूप से सीखने और बदलती तकनीक को अपनाने के लिए कितने तैयार हैं। उन्होंने वीडियो निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया जैसे कौशल पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर विद्यार्थी अपनी व्यक्तिगत ब्रांड वैल्यू विकसित कर सकते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए लगातार सीखते रहना और सक्रिय रहना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य के बेहतर अवसरों के लिए स्वयं को लगातार तैयार करने तथा ऑन कैंपस के साथ ऑफ-कैंपस अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राकेश प्रवीर ने स्वरचित पुस्तक 'थारू जाति' का उल्लेख करते हुए मीडिया के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सीखने और अनुभव हासिल करने का महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं बल्कि मिशन के रूप में देखने की बात कही। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का उल्लेख करते हुए 30 मई को उदंत मार्तंड के प्रकाशन से हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत के ऐतिहासिक संदर्भ को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की विधिवत शिक्षा विद्यार्थियों के जीवन और कार्यक्षमता को धारदार बनाती है। श्री प्रवीर ने वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र किशोर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल लिखने या बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि इसमें त्याग और बलिदान की भावना भी जुड़ी होती है। मीडिया समाज का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ जनमानस और जनमत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अरुण कुमार भगत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता पीड़ित-प्रताड़ित लोगों की आवाज है। यह सत्यम, शिवम, सुन्दरम की अभिव्यक्ति है। पत्रकारिता की शुरुआत सामाजिक सरोकार के साथ हुई है। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में बदलते समय और नई तकनीकों के अनुरूप स्वयं को तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव हासिल करने, नई तकनीकों को सीखने और पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व को समझने की कही। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, निरंतर सीखने और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. साकेत रमण तथा विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. उमा यादव एवं डॉ. मयंक भारद्वाज उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम शोधार्थी विनय कुमार यादव ने किया। मंच संचालन नितिश और आर्या ने किया।

अभियान बसेरा को मिलेगी और रफ्तार, भूमिहीनों से आवेदन लेकर होगी कार्रवाई : डीएम

बीएनएम@ मोतिहारी

अभियान बसेरा को लेकर मुख्यालय, पटना में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अपर समाहर्ता, पूर्वी चंपारण को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में ऐसे सभी लोगों से आवेदन प्राप्त किया जाए, जिनके पास वास भूमि उपलब्ध नहीं है। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र लाभुकों के मामले में अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी श्री यादव ने अपर समाहर्ता को सभी अंचल अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभियान की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अभियान बसेरा के कार्य में तेजी लाने तथा पात्र भूमिहीन परिवारों को इसका लाभ दिलाने को प्राथमिकता देने की बात कही। वहीं अपर समाहर्ता ने बताया कि गत 15 अगस्त को अभियान बसेरा के तहत जिले में कुल 1,429 लाभुकों को भूमि का पर्चा उपलब्ध कराया गया था। प्रखंडवार आंकड़ों के अनुसार रक्सौल में 53, चकिया में 219, रामगढ़वा में 78, केसरिया में 102, घोड़ासहन में 45, चिरैया में 65, ढाका में 94, पताही में 38, पकड़ीदयाल में 52, बनकटवा में 42, छौड़ादानो में 25, तेतरिया में 26, कल्याणपुर में 52, मेहसी में 66, तुरकौलिया में 44, आदापुर में 52, अरेराज में 24, बंजरिया में 57, हरसिद्धि में 26, मोतिहारी में 22, मधुबन में 52, पहाड़पुर में 32, संग्रामपुर में 37, पिपराकोठी में 49, कोटवा में 12, सुगौली में 29 तथा फेनहारा में 36 लाभुकों को अभियान बसेरा के तहत पर्चा दिया गया। अपर समाहर्ता ने बताया कि अभियान बसेरा लगातार जारी है और इसकी नियमित समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब इस कार्य को और अधिक प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि पात्र भूमिहीन परिवारों को समय पर वास भूमि का लाभ मिल सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार भी उपस्थित रहे।

राधे-राधे के जयघोष से गूंजा देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम

» लाडली राधा रानी का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया

बीएनएम@ मोतिहारी

भगवान श्रीकृष्ण यदि आराध्य हैं तो राधा रानी उनकी आराधना की पराकाष्ठा और भक्ति का सर्वोच्च स्वरूप हैं। राधे-राधे का जप करने मात्र से मन के संताप दूर होते हैं। इसी भाव के साथ देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में लाडली राधा रानी का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। ठीक दोपहर 12 बजे पुजारी सुधीर पांडे ने मंदिर का पट खोला। इसके बाद फूलों से किए गए राधा रानी के अलौकिक शृंगार का दर्शन श्रद्धालुओं को कराया गया। राधा रानी के जयघोष से पूरा आश्रम परिसर गूंज उठा और भक्तिमय वातावरण बन गया। इस अवसर पर आचार्य जयप्रकाश पांडे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को पाना है तो पहले राधा नाम का आश्रय लेना चाहिए। राधा रानी की कृपा के बिना श्रीकृष्ण की प्राप्ति को असंभव माना गया है। आश्रम के सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने कहा कि भगवान कृष्ण जहां भक्तों को उनके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं, वहीं राधा रानी अत्यंत कृपालु हैं और भक्तों के छोटे से छोटे भाव को भी स्वीकार करती हैं। उन्होंने कहा कि राधाष्टमी का पवित्र पर्व श्री राधा रानी के प्राकट्य और उनकी अहेतुक कृपा को समर्पित विशेष अवसर है। इस पर्व के आयोजन से जीवन में सुख-शांति और भक्ति की भावना का संचार होता है। सहसचिव राम भजन ने बताया कि विनीता कुमारी और दिलीप केसरी के भजनों पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। इस अवसर पर आश्रम में 24 घंटे के राम नाम महा संकीर्तन का भी आयोजन किया गया। आरती एवं पूजन के बाद महाभंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में चंद्रशेखर प्रसाद, देवेंद्र पाठक, राजकिशोर मिश्रा, श्री भगवान, अजय कुमार, संगीता देवी, रंजन कुमार सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एच.एस वर्मा इंटर कॉलेज के शिक्षकों का जत्था पटना के लिए होगा रवाना

बीएनएम@ रामगढ़वा। आगामी 20 सितंबर को श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में आयोजित उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शिक्षक संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एच.एस वर्मा को-ऑपरेटिव इंटर कॉलेज, रामगढ़वा से शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का एक जत्था पटना के लिए कूच करेगा। इसकी जानकारी देते हुए प्रो. मोहम्मद अली ने बताया कि उप प्राचार्य संजय सिंह के नेतृत्व में दर्जनों शिक्षक एवं कर्मी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 5 सितंबर को वित्तरहित इंटर कॉलेज कर्मियों को वेतनमान देने की मुख्यमंत्री की घोषणा से इंटर कर्मियों में काफी उल्लास है। इस अवसर पर इंटर कर्मियों द्वारा मुख्यमंत्री को सम्मानित एवं अभिनंदन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शामिल होने वालों में डॉ. संतोष कुमार, डॉ. पवन कुमार, प्रोफेसर गौतम कुमार, कन्हैया यादव, विजयेंद्र कुमार तथा रामनरेश यादव सहित अन्य शिक्षक शामिल हैं।

किराना दुकान से 27 हजार की चोरी

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई वारदात

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना क्षेत्र के मदनपुर चौक पर एक किराना दुकान में बीती रात चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। चोरों ने दुकान के पीछे की कच्ची दीवार को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और लगभग 27 हजार रुपये मूल्य के सामान व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित दुकानदार मनोज चौधरी पिछले 12 वर्षों से इस दुकान का संचालन कर रहे हैं। बुधवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे, तो उन्हें घटना की जानकारी मिली।दुकानदार के अनुसार, चोरों ने करीब 20 हजार रुपये के सामान (जैसे रिफाइन तेल आदि) और गल्ले में रखे 7 हजार रुपये नकद चुरा लिए। खास बात यह है कि चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति मुंह ढंके हुए दुकान के अंदर घुसते और बाद में कैमरे का तार काटते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थिति में व्यक्ति की मौत

शराब पीने के बाद तबीयत बिगड़ने की आशंका

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया अंचल के श्रीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दक्षिणी पटजिरवा पंचायत में 55 वर्षीय लालजी मांझी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पत्नी हीरामती देवी के अनुसार, वह मुहरटोली गांव में शराब पीने के बाद घर लौटे थे और खाना खाने के बाद दरवाजे के पास गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर शनिवार सुबह श्रीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष निधि कुमारी ने कार्रवाई की पुष्टि की है, जबकि सदर एसडीपीओ-2 राकेश कुमार भास्कर ने मामले की जांच कराने की बात कही है।

गन्ना किसानों की मांगों को लेकर 26 सितंबर को होगा धरना

बैठक में बनी रणनीति

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया में ईख उत्पादक संघ की अंचल कमेटी की बैठक संजय राव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें गन्ना किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर 26 सितंबर को सुबह 11 बजे से पश्चिम चंपारण जिला पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष विशाल धरना देने का निर्णय लिया गया।बैठक में राष्ट्रीय वित्त सचिव प्रभुराज नारायण राव ने आरोप लगाया कि गन्ने का राज्य समर्थित मूल्य लंबे समय से नहीं बढ़ाया गया है और किसानों को घटतौली व बकाया भुगतान जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। किसानों की प्रमुख मांगों में गन्ने का मूल्य 650 रुपये प्रति क्विंटल करना, इथेनॉल व अन्य बायो-प्रोडक्ट के मुनाफे में हिस्सा देना, कृषि ऋण माफ करना, चनपटिया चीनी मिल को सहकारिता के माध्यम से चालू करना और बकाया राशि का ब्याज सहित भुगतान शामिल है। इस दौरान सरपंच सुनील यादव, अवधेश पांडेय, हरिशंकर यादव सहित कई किसान मौजूद रहे।

गंडक नदी के डोभ में युवक के डूबने का वीडियो वायरल

लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म

बीएनएम@ बेतियाः पश्चिम चंपारण के श्रीनगर थाना क्षेत्र के रनहा गांव स्थित गंडक नदी के डोभ में एक व्यक्ति के डूबने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग गहरे पानी में डूबे व्यक्ति को बांस के सहारे बाहर निकालते दिखाई दे रहे हैं, जबकि मौके पर मौजूद कुछ लोग उसके शराब के नशे में होने की बात कह रहे हैं। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।यह वायरल वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब क्षेत्र में हाल ही में दक्षिणी पटजिरवा पंचायत के नीतीश नगर निवासी लालजी मांझी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला चर्चा में है, हालांकि दोनों घटनाओं के बीच संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो कब का है और डूबा हुआ व्यक्ति कौन है, इस संबंध में फिलहाल पुलिस या किसी अन्य स्रोत से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

युवक की गोली मारकर हत्या, चार संदिग्ध हिरासत में

बीएनएम@ बेगूसराय। भगवानपुर थाना क्षेत्र के भरडीहा गांव में 18 वर्षीय साजन कुमार उर्फ गोलू की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार रात कुछ युवक उसे घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे, जिसके कुछ देर बाद उसका खून से लथपथ शव बघैला बहियार में सड़क किनारे मिला। इस घटना से इलाके में दहशत और परिजनों में मातम पसरा हुआ है।परिजनों का आरोप है कि गांव के ही कुछ युवक उसे बाइक से घर से बहला-फुसलाकर ले गए थे। रात करीब साढ़े आठ बजे उन्हीं युवकों ने मां को फोन कर उसके घर लौटने की बात पूछी, लेकिन जब परिजनों ने संपर्क करना चाहा तो फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके करीब एक घंटे बाद आरोपियों ने दोबारा फोन कर हत्या की सूचना दी।शव के शरीर पर घसीटे जाने के निशान और सिर में गोली मारे जाने की बात सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में चार संदिग्ध दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

परवलपुरः अधिकांश मुहल्ले में पानी की सप्लाई बंद

बीएनएम@ परवलपुर- नगर पंचायत मुख्यालय परवलपुर मे जलमिनार वाले सप्लाई केन्द्र से पेयजल आपूर्ति पिछले बीस दिनों से बाधित है. पेयजल आपूर्ति बंद रहने का कारण मोटर व पंखी टूटकर बोरींग में गिरना बताया जा रहा है. पानी आपूर्ति बंद रहने के कारण अधिकांश मोहल्ले के लोग काफी परेशान हैं. खासकर स्थानीय बाजार के वार्ड नंबर 8 व 9 के निवासियों को पानी के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है. ग्रामीणों का कहना है कि पिछले बीस दिनों से पानी की सप्लाई बंद है और इस दिशा में कोई भी प्रयास नहीं हो पा रहा है. इधर आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि बोरींग फेल हो चुका है जिसके कारण नीचे से बालू पत्थर आ रहा था जिसके कारण पहले पंखी टूटकर गिर गया और फिर मोटर. ग्रामीणों की मानें तो नया बोरींग होगा तबही पानी की समस्या हल होगा. इस संबंध में परवलपुर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रामबृक्ष यादव ने बताया कि पानी के साथ बालू और मिट्टी आने की शिकायत मिली थी,और इसका ठोस निराकरण के लिए नया बोरींग ही एकमात्र विकल्प है|

गोलीबारी मामले का अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ एकंगरसरायः- कोशियांवा पंचायत के चमहेड़ा गांव में वर्चस्व को लेकर हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त सिकन्दर पासवान को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि कुछ महीने पूर्व हुई इस घटना को लेकर थाना कांड संख्या 163/26 दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज था।घटना के बाद से ही पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। आखिरकार गुप्त सूचना और पुलिस टीम के प्रयासों से आरोपी को दबोच लिया गया।

पटनाः दशहरा पर अग्निशमन विभाग की तैयारियां तेज, कल से शुरू होगी पूजा पंडालों की फायर मैपिंग

बीएनएम@ पटना

300 वर्ग मीटर से बड़े पंडालों के लिए फायर और बिजली सर्टिफिकेट अनिवार्य

» भीड़ को देखते हुए पटना में पंडालों के रूट का होगा आकलन
» जरूरत पड़ने पर दूसरे जिलों से मंगाए जाएंगे दमकल वाहन

दशहरा के मद्देनजर पटना में अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा तैयारियों को तेज कर दिया है, जिसके तहत सोमवार से जिले के पूजा पंडालों की फायर मैपिंग शुरू की जाएगी। करीब एक हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान के दौरान पंडालों के आकार, सुरक्षा व्यवस्था, स्थिति और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। विभाग के नियमों के अनुसार, 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में बनने वाले सभी पूजा पंडालों के लिए फायर सर्टिफिकेट और बिजली विभाग से प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य किया गया है।जिला

अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पूजा समितियों को मुख्यालय द्वारा जारी एसओपी का सख्ती से पालन करना होगा। विभाग का मुख्य उद्देश्य पंडालों में सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना और आपात स्थिति में दमकल वाहनों की आसान आवाजाही है। इसके अलावा, 5000 वर्गफीट क्षेत्रफल वाले पंडालों की समितियों को प्रपत्र 'द' के तहत घोषणा पत्र भी देना होगा। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए पंडालों में प्रशिक्षित वॉलेंटियर्स की तैनाती की जाएगी, जिन्हें विभाग द्वारा शुरुआती स्तर पर राहत कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।मैपिंग के दौरान दमकल के रास्तों में आने वाली बाधाओं का आकलन करने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर अस्थायी कंट्रोल रूम भी बनाए जाएंगे। भारी भीड़ को देखते हुए विभाग ने अतिरिक्त संसाधनों की भी तैयारी की है और आवश्यकता पड़ने पर अन्य जिलों से भी दमकल वाहन मंगाए जा सकते हैं।

बिहार राज्य महिला आयोग की रजत जयंती पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का ऐलान

बिहार में एक करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ेंगे : सीएम

» चार साल तक हर महीने 10 हजार रुपए महीना

बीएनएम@ पटना

बोले-1000 को पीएचडी करने के लिए पीएचडी फेलोशिप

बिहार राज्य महिला आयोग आज अपना 25वां वर्षगांठ मना रही है। रजत जयंती के अवसर पर बापू सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकर ने 1 करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने यह भी घोषणा किया कि 1000 महिलाओं को PhD करने के लिए फेलोशिप दी जाएगी। साथ ही इनको 4 साल तक हर महीने 10000 रुपए दिए जाएंगे। इस अवसर पर सीएम ने महिला आयोग का डाक टिकट जारी किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम विजय चौधरी, बिहार सरकार में मंत्री निशांत कुमार, शीला मंडल, दीपक प्रकाश भी शामिल हुए।

महिला आयोग के लोगो पर डाक टिकट जारी- राज्य महिला आयोग की सदस्य सजल झा ने कहा कि आयोग के Logo पर एक डाक टिकट जारी किया गया है। हमारे हर लिफाफे पर डाक टिकट लगता है, जितने भी नोटिस या समन जारी किया जाता है, उसमें ये लगी होती है। इसलिए एक मैसेज देने के लिए आयोग ने अब अपना डाक टिकट जारी किया है। इसके अलावा महिला आयोग की पिछले 25 साल की यात्रा की एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। इस डॉक्यूमेंट्री में आयोग के अब तक के केस का पूरा आंकड़ा दिखाया गया। इसके साथ ही आयोग ने कितने लोगों के घर बसाए, सबसे मुश्किल केस कौन से थे, आयोग में कहां-कहां महिला कैंप लगाया, किस तरीके से इंसाफ दिलाया, इन सब के बारे में इस डॉक्यूमेंट्री में जानकारी दी गई।

बिहार में सबसे तेज गति से महिलाएं आगे बढ़ रहीं : सम्राट चौधरी

मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं बिहार राज्य महिला आयोग से कहना चाहूंगा कि वह हमें सुझाव दें कि महिला कर्मचारियों के लिए क्या कुछ किया जा सकता है। उनके लिए कैसी व्यवस्था की जाए। महिला जनप्रतिनिधि को किस तरह की ट्रेनिंग दी जाए। एक राजनीतिक कार्यकर्ता बनाने की फैक्ट्री महिला आयोग बने, मैं यह चाहता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मोदी जी की कल्पना है कि 33% आरक्षण लोकसभा और विधानसभा में होगा। इस कल्पना को पूरा करने के लिए हमें कम से कम 40% टिकट की व्यवस्था करनी होगी। इसके लिए भी हमें तैयारी करनी होगी।' सम्राट चौधरी ने कहा कि देश में बिहार एक ऐसा राज्य है, जहां सबसे तेज गति से महिलाएं आगे बढ़ रही है। मुझे वह दिन याद है जब मैं पहली बार सदन में आया था तो बिहार में महिलाओं की हिस्सेदारी नहीं के बराबर थी। अर्थव्यवस्था में जहां महिलाओं की ओर कोई देखता नहीं था। आज बिहार में करीब 60% महिलाएं प्रतिनिधि के तौर पर नेतृत्व करने का काम कर रही है। वहीं, सिर्फ जीविका दीदी ने 1 लाख 36 हजार करोड़ का मार्केट खड़ा कर दिया है। बिहार पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां हम महिलाओं के लिए डेडीकेटेड यूनिवर्सिटी बनाएंगे, जहां कुलपति से लेकर प्रिंसिपल और चतुर्वर्गीय कर्मचारी भी महिला ही होगी। बिहार में एनडीए सरकार पिछले 21-22 वर्षों से बन रही है तो उसका सबसे बड़ा रीढ़ बिहार की महिलाएं हैं।

सुशासन व जनसेवा के 2 वर्ष पूर्णः एसपी स्वर्ण प्रभात ने बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

बीएनएम@ अरेराज

जिले में सुशासन, भयमुक्त वातावरण और जनसेवा के 2 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात ने अरेराज स्थित ऐतिहासिक सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर पहुंचकर बाबा सोमेश्वर नाथ का दर्शन-पूजन किया। एसपी ने पूरी निष्ठा और विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया तथा संपूर्ण पूर्वी चंपारण जिले की सुख, शांति, समृद्धि और सुरक्षा की मंगलकामना की। मंदिर परिसर आगमन पर स्वामी रविशंकर गिरी जी महाराज ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया और पूजन-अर्चन के पश्चात उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। पूर्वी चंपारण की पावन भूमि पर अपने 2 वर्षों के सेवाकाल के दौरान एसपी स्वर्ण प्रभात ने पुलिसिंग में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और जनता से सीधे संवाद की एक नई मिसाल पेश की है। पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना, थाने स्तर पर सुनवाई सुनिश्चित करना और अपराधियों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाकर कानून का राज स्थापित करना उनकी कार्यशैली की प्रमुख पहचान बनी है। उनके इस समर्पित कार्यकाल के कारण ही आज आमजन के मन में पुलिस के प्रति गहरा विश्वास और सम्मान जागृत हुआ है। दो वर्ष का यह गौरवशाली सेवाकाल पूर्ण होने पर जिले के गणमान्य बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने एसपी स्वर्ण प्रभात को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर एसपी ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चंपारण की ऐतिहासिक भूमि पर आम लोगों की सेवा और सुरक्षा करने का अवसर पाना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। जिले में कानून व्यवस्था को और सशक्त बनाना तथा हर नागरिक को सुरक्षित माहौल देना ही पुलिस प्रशासन का एकमात्र संकल्प है।

बड़कागांव पैक्स के आठ सदस्यों ने एक साथ दिया इस्तीफा, अध्यक्ष पर मनमानी और वित्तीय गड़बड़ी के आरोप

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समिति) को मजबूत करने और किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बीच बड़कागांव पैक्स में विवाद सामने आया है। समिति के आठ सदस्यों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया है। सदस्यों ने पैक्स अध्यक्ष पर मनमानी, वित्तीय अनियमितता और समिति के सदस्यों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस्तीफा देने वालों में पूरन कुमार, अंजू कुमारी समेत अन्य सदस्य शामिल हैं। सदस्यों का आरोप है कि पैक्स अध्यक्ष द्वारा समिति के कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। कई महत्वपूर्ण निर्णयों में सदस्यों को विश्वास में नहीं लिया जाता है। आरोप है कि अध्यक्ष मनमाने तरीके से हस्ताक्षर कर कार्यों का संचालन करते हैं। सदस्यों के मुताबिक, पैक्स में कथित अनियमितताओं को लेकर उन्होंने कई बार अध्यक्ष को समझाने और व्यवस्था में सुधार का प्रयास किया, लेकिन स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। इससे नाराज सदस्यों ने अंततः सामूहिक रूप से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। सभी सदस्यों ने अपना इस्तीफा प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को सौंप दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी जितेंद्र कुमार चौरसिया ने पैक्स समिति की बैठक बुलाकर स्थिति की जानकारी लेने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि जिला सहकारिता पदाधिकारी के निर्देश पर बड़कागांव पैक्स समिति की बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन बैठक में एक भी सदस्य उपस्थित नहीं हुआ। प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी ने कहा कि पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट तैयार कर वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत सरकार भवन में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

» स्ट्रीट सोलर लाइट को लेकर जताई गई नाराजगी

बीएनएम@ योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में शनिवार को विकास कार्यों को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भूषण कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पीसीसी सड़क, स्वच्छता कार्य, स्ट्रीट सोलर लाइट और आगामी विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान पंचायत में चल रहे सफाई कार्यों और स्ट्रीट सोलर लाइट में कुछ गड़बड़ियों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। इस पर अधिकारियों ने उचित दिशा-निर्देश देते हुए योजनाओं को पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया।इस अवसर पर बीडीओ शशि भूषण कुमार के साथ बीसी प्रतीश कुमार, पंचायत सचिव सुबोध कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक टुना कुमार शर्मा, मुखिया पति भोला राम, वार्ड सदस्य प्रेमचंद कुशवाहा, ज्वाला गिरी, और जीतेन्द्र कुशवाहा सहित कई सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षकों की मांगों पर विभाग ने नहीं की पहल तो होगा बड़ा आंदोलन

रामगढ़वा बीआरसी में बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ की बैठक, प्रोन्नति, स्थानांतरण और एरियर भुगतान का मुद्दा उठा

बीएनएम@ रामगढ़वा

बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ (मूल) की रामगढ़वा प्रखंड इकाई की ओर से शनिवार को बीआरसी परिसर में शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर अतिआवश्यक बैठक हुई। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। अध्यक्षता शिक्षक मुहम्मद तुफैल ने की, जबकि मंच संचालन श्रीनिवास प्रसाद ने किया। उक्त बैठक में शिक्षकों की लंबे समय से लंबित समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। नियोजित एवं विशिष्ट शिक्षकों को कालबद्ध प्रोन्नति, स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति, स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने तथा सभी प्रकार के लंबित एरियर का अविलंब भुगतान कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा विशिष्ट शिक्षकों, विद्यालय अध्यापकों एवं प्रधान शिक्षकों को सेवा निरंतरता के साथ एरियर समेत अन्य देय लाभ उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से कई मामले लंबित रहने के कारण उन्हें आर्थिक एवं प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की न्यायसंगत मांगों पर विभाग जल्द सकारात्मक पहल करे। यदि मांगों के समाधान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन की ओर से आंदोलन को और व्यापक एवं जोरदार किया जाएगा। बैठक के अंत में शिक्षकों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। संगठन ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे भी संघर्ष जारी रहेगा।

गुजरात में होने के कारण जेडीयू की कार्यशाला में नहीं हो सके शामिलः ललन सिह

बीएनएम@ पटना

जेडीयू प्रशिक्षण कार्यक्रम में गैरमौजूदगी पर केंद्रीय मंत्री ने दी सफाई

जनता दल यूनाइटेड के एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की गैरमौजूदगी को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उस दौरान वह गुजरात में थे, जिसके कारण वह शामिल नहीं हो सके। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति को लेकर लगाए जा रहे सभी राजनीतिक कयासों को सिरे से खारिज कर दिया है।18 सितंबर को पटना स्थित कर्पूरी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में नए जनप्रतिनिधियों को विधायी जिम्मेदारियों और सदन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और संजय झा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। ललन सिंह ने बताया कि कार्यक्रम से एक दिन पहले निशांत कुमार और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से उनकी बातचीत हुई थी, जिसमें इसे सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम बताया गया था।उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी तरह का विवाद नहीं है और सभी नेता आपसी समन्वय से काम कर रहे हैं। यदि किसी विधायक को कोई नाराजगी है, तो उनसे बैठकर बातचीत की जाएगी।

दमन के तरीके का उलटा परिणाम

सत्ता के ऊपरी हलकों तक शायद यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का उलटा परिणाम हो सकता है। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है। कॉकरोच आंदोलन के तहत युवाओं की लामबंदी का सत्ता प्रतिष्ठान पर कितना प्रभाव हुआ है, इसकी झलक सोमवार को सामने आई। 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल नौजवानों पर हुए मुकदमों को वापस लेने के मामले में केंद्र पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी ने पांच सितंबर को दिल्ली में फिर मार्च आयोजित करने का एलान किया है। दिल्ली पुलिस ने संकेत दिया था कि ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन की जारी तैयारियों के कारण इस कार्यक्रम को इजाजत देना कठिन होगा। यही दलील देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी कि शिखर सम्मेलन से एक हफ्ता पहले इस आंदोलन से कानून- व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है, अतः इस पर रोक लगाई जाए। मगर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने अर्जी ठुकरा दी। कहा कि फिलहाल ऐसा मानने का कोई ठोस आधार नहीं है कि युवाओं के मार्च से कानून- व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि कानून- व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और कोर्ट भरोसा है कि सरकार कानून के दायरे में रहकर यह काम करेगी। हाल- फिलहाल में जनतांत्रिक अधिकारों के पक्ष में कोर्ट का ऐसा दो-टूक रुख कभी-कभार ही देखने को मिला है। बहरहाल, कोर्ट का यह रुख सामने आने के बाद जो हुआ, वह और भी महत्त्वपूर्ण है। दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका देकर गुजारिश की कि वह अनुच्छेद 142 के तहत संविधान से मिले विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर कॉकरोच आंदोलन के दौरान दर्ज सभी प्राथमिकियों को रद्द कर दे। कोर्ट ने इस याचिका पर सकारात्मक रुख दिखाया। यह घटनाक्रम युवाओं की उभरी शक्ति की मिसाल है। गुजरे महीनों में जिस पैमाने पर छात्र- युवा असंतोष सड़कों पर दिखा है, उसने यह भ्रम तोड़ दिया है कि सरकारी मशीनरी के अत्यधिक उपयोग से असहमति और प्रतिरोध को हमेशा के लिए दबाए रखा जा सकता है। सत्ता के ऊपरी हलकों तक संभवतः यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का संभवतः उलटा परिणाम होगा। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है।

नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

पी.वी. सिंधु

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं।

18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फ तीन देशों में शामिलहो गया जहां किसी आम नागरिक कीप्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है।इस कामयाबी को हासिल करनेवाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ''मैं एलन मस्क बनना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।ÓÓ बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है। पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज़ बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है।

इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ दरवाजों की। और जब दरवाज़े कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाज़े के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदीÓ से बदल कर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाज़तÓ हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और उसकी जगह खुले दरवाज़ों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं। जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोडऩे की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की ज़रूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सौंप दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया। इनमें से कुछ बदलाव बहुत दबे पांव आए लेकिन उनकी अहमियत उतनी ही ज्यादा थी। 2021 में मानचित्रों को मुक्त कर दिया ताकि किसी भारतीय कंपनी को उस देश का सर्वे करने के लिए किसी मंजूरी की ज़रूरत नहीं पड़े जिसमें वह पहले से काम कर रही है। 2023 में एक ही कानून के ज़रिए सैकड़ों कानूनों में बदलाव किया गया। इस कानून के जरिए एक हज़ार से ज्यादा वैसे मामलों में आपराधिक सजा के प्रावधान को खत्म कर दिया गया जिनका संबंध कागजी औपचारिकताओं से था। उद्देश्य यह था कि सिर्फ एक फॉर्म छूट जाने पर किसी को जेल नहीं जाना पड़े। 2014 में अंतरिक्ष से संबंधित सिर्फ एक स्टार्टअप था। लेकिन आज भारत में ऐसे लगभग 440 स्टार्टअप हैं। उस समय कोई भी ड्रोन स्टार्टअप नहीं था मगर अब इनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है। लेकिन सिर्फ दरवाजे खोलना अधूरी बात होगी। एक खुले दरवाज़े का कोई फायदा नहीं अगर वहां तक पहुंचने का आपके पास कोई रास्ता ही न हो। यहीं पर इस सोच की न्यायसंगतता नजर आती है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज़्यादा है और इन्होंने बीस लाख से ज़्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब सिफ़र् बैंगलोर या दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के हर कोने में छोटे शहरों और कस्बों तक पहुँच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है। ये ऋण खास तौर पर उन लोगों के लिए थे जिन्हें पुरानी व्यवस्था में नज़रअंदाज़ किया गया था – जैसे दलित और आदिवासी परिवारों के पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले लोग और महिलाएँ। साथ ही, करोड़ों ऐसे भारतीय जिनके पास कभी बैंक खाता नहीं था, उन्हें आखिरकार इस दायरे में लाया गया, जहाँ एक साधारण फोन ही बैंक बन गया। आज एक सब्जी बेचने वाला और एक स्टार्ट-अप का संस्थापक दोनों एक ही तरीके से पैसे का लेन-देन करते हैं। युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैंपस खोलना शुरू कर दिया है। यह सब एक ही बात की ओर इशारा करता है, एक ऐसा देश जिसने आखिरकार अपने युवाओं पर भरोसा करने का फ़ैसला किया है। हमारे इतिहास के ज़्यादातर समय में, हमारी सबसे प्रतिभाशाली पीढ़ी को लगता था कि कुछ ठोस करने के लिए उन्हें विदेश जाना होगा। हमने उन्हें धीरे-धीरे, साल-दर-साल उन देशों के हाथों खो दिया, जिनके पास ऐसे अनेक अवसर थे जो हमारे पास नहीं थे। यहाँ अंतरिक्ष से लेकर सिलिकॉन तक, सॉफ्टवेयर से लेकर कक्षाओं तक, उन दरवाज़ों को खोलकर इस नेतृत्व ने उस प्रतिभा को देश में रुकने की एक वजह दी है और यहाँ तक कि घर वापस लौटने का एक कारण भी दिया है। भविष्य का निर्माण करना अब कोई ऐसा काम नहीं रहा जिसके लिए आपको भारत छोडऩा पड़े। अब देश में ही रहकर यह काम कर सकते हैं। और यह वह पक्ष है जिसे कोई भी नीतिगत दस्तावेज़ बयान नहीं कर सकता, वही पक्ष जो बाकी सभी बातों को एक अलग रूप में प्रस्तुत करता है। एक पूरी पीढ़ी को हर तरह का अवसर दिए जाने के बाद भी वे खुद को उपेक्षित महसूस कर सकती है। नरेंद्र मोदी ने भारत के युवाओं को कभी भी ऐसी समस्या नहीं माना जिसे बस 'मैनेज' करना हो या सिफ़र् वोट बैंक समझा हो। वे परीक्षा से पहले छात्रों के साथ बैठकर उनसे डर, दबाव और उम्मीद के बारे में खुलकर बात करते हैं। वे किसी शासक की तरह प्रजा को उपदेश नहीं देते हैं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की तरह बात करते हैं जो यह याद रखता है कि युवा होना, डरा होना और साथ ही सपनों से भरा होना कैसा होता है। वे युवाओं से बराबरी के स्तर पर बात करते हैं। वे न तो उन्हें नीचा दिखाते हैं और न ही उनकी बात को अनसुना करते हैं। जब कठिन पल आते हैं, तो वे उनका डटकर सामना करते हैं और युवाओं को अपने उदाहरण से दिखाते हैं कि कुछ भी छिपाने की ज़रूरत नहीं है। यह कोई छोटी बात नहीं है। हो सकता है कि यह सबसे बड़ी बात हो। क्योंकि जब किसी युवा व्यक्ति को काबिल मानकर बात की जाती है तो धीरे-धीरे उसे भी यकीन होने लगता है कि वह वाकई काबिल है। जो युवा खुद को काबिल मानता है, वही किराए के कमरे में रॉकेट कंपनी शुरू करता है और कुछ ही सालों में अंतरिक्ष तक पहुँच जाता है। हर पीढ़ी को वे सीमाएँ विरासत में मिलती हैं जिन्हें उसने स्वयं नहीं चुना होता। हमारे दादा-दादी को अभाव विरासत में मिला। हमारे माता-पिता को अनुमति और आदेश विरासत में मिले और मिला ऊपर बैठे किसी व्यक्ति के 'हाँ' कहने का लंबा इंतज़ार। हमें कुछ अलग विरासत में मिला हैः एक ऐसा देश जो आखिरकार इसका निर्माण करने के लिए हम पर विश्वास करता है। यही इस नेतृत्व का वास्तविक मापदंड है। यह कोई योजना या आंकड़ा नहीं, बल्कि एक युवा भारतीय की सोच और कल्पना के दायरे में आया बदलाव है। जुलाई में अंतरिक्ष तक पहुँचा रॉकेट उन लोगों द्वारा बनाया गया था, जिनसे कभी कहा गया था कि उनके लिए कोई दरवाज़ा ही नहीं खुला है। वह खुला दरवाज़ा अब मौजूद है और ऐसे ही हज़ार अन्य दरवाज़े भी खुले हैं। अब किसी युवा भारतीय के लिए केवल यही सवाल नहीं रह गया है कि उसे सपने देखने की अनुमति है या नहीं; अब सवाल यह है कि वह कितनी दूर जाने का इरादा रखता है।

(लेखक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता है और वर्तमान में आंध्र प्रदेश सरकार में डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत है।)

जब विपक्ष ने मुद्दों की जगह मीनू चुन लिया

डॉ. नीलम महेंद्र

ब्रिक्स की मेज पर दुनिया बैठी थी लेकिन विपक्ष की नजर थाली पर थी। भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के आधिकारिक रात्रिभोज में विदेशी मेहमानों को शाकाहारी भारतीय व्यंजन परोसे गए। खांडवी, मशरूम गलौटी, पनीर लबाबदार, गुच्छी मार्मिक, बाजरे का पुलाव, बीटरूट रायता और पारंपरिक भारतीय मिठाइयों से सजा यह मेन्यू भारत की समृद्ध शाकाहारी पाक-परंपरा का प्रदर्शन था। लेकिन मेहमानों की मेज से उठकर यह मेन्यू सीधे भारतीय राजनीति की मेज पर पहुंच गया। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब भारत में अधिकांश लोग मांसाहारी हैं, तो विदेशी मेहमानों के सामने केवल शाकाहारी व्यंजन क्यों परोसे गए। राहुल गांधी की ओर से 80 प्रतिशत भारतीयों के मांसाहारी होने का दावा भी सामने आया और सरकार पर खान-पान की पसंद थोपने का आरोप लगाया गया। अब प्रश्न यह नहीं है कि किसी को शाकाहारी भोजन पसंद है या नहीं। प्रश्न यह है कि न तो ब्रिक्स का मंच कोई पारिवारिक डिनर का मंच है और न ही राजकीय भोज का उद्देश्य यह साबित करना होता है कि देश के कितने प्रतिशत लोग क्या खाते हैं। यदि भारत किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपने श्रेष्ठ शाकाहारी व्यंजनों को दुनिया के सामने रखता है, तो इसमें अस्वाभाविक क्या है? क्या किसी देश का सांस्कृतिक परिचय उसके पूरे मेन्यू कार्ड से ही तय होगा? खाने के मीनू पर भी राजनीति होगी! ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में क्या विपक्ष के पास सरकार से पूछने के लिए इससे बड़ा कोई प्रश्न नहीं था? दुर्भागपूर्ण है कि विपक्ष की नजर में ब्रिक्स की मेज पर असली मुद्दे क्या थे इससे अधिक महत्वपूर्ण खाने का मीनू है? सत्य तो यह है कि ब्रिक्स दुनिया की बदलती आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में तेजी से महत्वपूर्ण होता हुआ मंच है। इसकी मेज पर व्यापार है, निवेश है, ऊर्जा है, तकनीक है, वित्तीय सहयोग

है और बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका है। यानी विपक्ष के पास सवालों की कोई कमी नहीं थी। वह पूछ सकता था कि भारत ब्रिक्स के माध्यम से अपने आर्थिक हितों को किस तरह आगे बढ़ा रहा है? चीन के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर भारत की रणनीति क्या है? ब्रिक्स के विस्तार से भारत की सामरिक स्थिति मजबूत होगी या जटिल? क्या भारत वैश्विक दक्षिण का प्रभावी नेतृत्व कर पा रहा है? स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और डॉलर पर निर्भरता कम करने की चर्चा का भारत के लिए क्या अर्थ है? ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में भारत को क्या अवसर मिल सकते हैं? ब्रिक्स में भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कैसे साध रहा है? ये वे प्रश्न थे जिन पर सरकार को असहज किया जा सकता था। ये वे प्रश्न थे जिन पर विपक्ष अपनी विदेश नीति की समझ दिखा सकता था। ये वे प्रश्न थे जिनसे जनता को पता चलता कि विपक्ष सत्ता का गंभीर विकल्प बनने की तैयारी कर रहा है। लेकिन विपक्ष ने चुना क्या "मेन्यू"! यहीं से यह विवाद केवल भोजन का विवाद नहीं रह जाता। यह राजनीतिक प्राथमिकता का प्रश्न बन जाता है। यह विपक्ष की राजनैतिक प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। क्या एक राजकीय भोज जनगणना होता है? रत में बड़ी संख्या में लोग मांसाहारी हैं। तो क्या राजकीय भोज का मेन्यू जनगणना के आंकड़ों के अनुपात में तय होता है? यदि देश में 70 प्रतिशत लोग किसी विशेष भोजन को पसंद करते हैं तो क्या मेन्यू में 70 प्रतिशत वही भोजन होना चाहिए? यदि किसी राज्य में मांसाहार प्रमुख भोजन है तो क्या हर अंतरराष्ट्रीय भोज में मांसाहार अनिवार्य होनी चाहिए? यदि किसी समुदाय Sकी संख्या कम है तो क्या उसकी खाद्य परंपरा का महत्व भी कम हो जाएगा? यह तर्क जितना आगे जाएगा, उतना ही विचित्र होता जाएगा। विडंबना है कि आज देश की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां विपक्ष यह भूल गया है कि राजकीय भोज संसद की सीटों का वितरण नहीं है, मेन्यू वोट बैंक नहीं है और प्लेट कोई जनगणना तालिका नहीं है। काश कि विपक्ष यह समझ पाता कि वो सरकार से मेन्यू का हिसाब मांग रहा है, जबकि देश उससे विकल्प का मेन्यू मांग रहा है। क्योंकि खाने के मीनू पर राजनीति विपक्ष की राजनैतिक समझ और प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है। अत्यंत खेद का विषय है कि कांग्रेस जैसा दल जिसके पास 140 साल की विरासत है वो यह भूल गई है कि लोकतंत्र में विपक्ष की पहचान इस बात से नहीं होती कि वह कितने विवाद पैदा कर सकता है। बल्कि विपक्ष की पहचान इस बात से होती है कि वह सत्ता से कितने बड़े सवाल पूछ सकता है। इसलिए विपक्ष के लिए आवश्यक है कि वह कूटनीति की मेज को चुनावी मंच बनाकर विपक्ष की भूमिका पर ही प्रश्न चिन्ह न लगाए।

थाली में स्वाद रहने दीजिए, राजनीति संसद में कीजिए। (यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज आपको कुछ समय परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए। आज आप किसी काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहेंगे। साथ ही दूसरों की कोई सलाह आपके लिये फायदेमंद सिद्ध होगी। आज बच्चों का मन पढ़ाई की अपेक्षा खेल कूद में ज्यादा लगेगा। आपको अपनी सेहत फीट रखने के लिये नियमित तौर पर व्यायाम करना चाहिए।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। साथ में कहीं घूमने भी जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी और सोचे हुए जरूरी काम समय पर पूरे हो जायेंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही खुशखबरी मिलने से आपका मन पूरे दिन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नई योजना बनायेंगे, जिसका फायदा भी होगा। आज आपका मन पूजा पाठ में अधिक लगेगा, आप धार्मिक पुस्तक पढ़ेंगे जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज व्यापार में उम्मीद से अधिक मुनाफा होने वाला है। आज आपको परिवार से कार्यों में मदद मिलती रहेगी। आज आपकी दोस्तों के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बातचीत हो सकती हैं, जिससे आपको उसका समाधान मिल जायेगा। इंजीनियर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, आज आपको अच्छे काम के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। आज आपका पूरा ध्यान अपने करियर को आगे बढ़ाने पर रहेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर भी प्राप्त होंगे। आज आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करके आपको काफी अच्छा महसूस होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपको अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है। आज आपको ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। साथ ही परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य एकदम ठीक रहेगा और आपके अन्दर एक नई ऊर्जा का संचार होगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज माता पिता की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल होगी, जिससे आपकी चर्चा दूर-दूर तक होगी। आज आपको गंभीर मामलों को शांति और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आप परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज किसी काम के सिलसिले में अनजान व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी, जो लम्बे समय तक चलेगी। इस राशि के कला और साहित्य से जुड़े व्यक्तियों को आज कहीं परफॉर्म करने का मौका मिलेगा। आज अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे, जिससे मन पसंद जगह पर ट्रांसफर होने के योग बने हुए है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज ऑफिस के काम को पूरा करने में आप पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के लॉ की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज आपको किसी सीनियर वकील के साथ इंटरर्नशिप करने का मौका मिलेगा। आज आप करियर में नए आयाम स्थापित करेंगे। साथ ही आज आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपकी व्यापारिक डील किसी बड़ी कम्पनी के साथ फाइनल होने की संभावना है। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन होगा, जिससे परिवार में चहल पहल बनी रहेगी। आज आपको ऑफिस में एक साथ कई काम करने पड़ पड़ेंगे और काम के प्रति आपकी मेहनत रंग लायेगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहद शानदार रहने वाला है। आज बॉस आपसे कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं रखेंगे, आप उनकी अपेक्षाओं पर खरे भी उतरेंगे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा। साथ ही आपको किसी संस्था के माध्यम से सम्मानित भी किया जायेगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी। आज किसी काम में अनुमान से ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है। आज स्वास्थ्य के प्रति आपको सजग रहने की जरूरत है और जंक फूड खाने से भी बचना चाहिए। आज आप अपने दोस्त से किसी काम के लिए मदद ले सकते हैं।

आतंकवाद के खिलाफ कश्मीर में निर्णायक शिकंजा

कांतिलाल मांडोत

- कुलगाम और शोपियां में छापेमारी से साफ संदेश आतंक के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की तैयारी

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। घाटी में आतंकवाद को केवल बंदूक उठाने वाले आतंकियों तक सीमित मानने के बजाय उनके पूरे सहयोगी तंत्र को निशाना बनाया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत रविवार को काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर के नेतृत्व में कुलगाम और शोपियां सहित कई इलाकों में संदिग्ध ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। शोपियां के नादिगाम क्षेत्र में दिवंगत गुलाम हसन गनी के बेटे इरफान अहमद गनी के मकान पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने दबिश दी। इस कार्रवाई का उद्देश्य आतंकवाद से जुड़े संवेदनशील मामले की कड़ियों को जोड़ना और उसके पीछे सक्रिय नेटवर्क की पहचान करना बताया गया है। कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई अब उस दौर से आगे बढ़ चुकी है, जिसमें केवल किसी हमले के बाद आतंकियों की तलाश की जाती थी। सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकवाद की पूरी संरचना को समझकर उस पर एक साथ प्रहार कर रही हैं। आतंकवादियों को हथियार उपलब्ध कराने वालों से लेकर उन्हें सुरक्षित ठिकाना देने वालों, आर्थिक मदद पहुंचाने वालों और सीमा पार बैठे आकाओं के निर्देशों को जमीन पर लागू करने वाले स्थानीय सहयोगियों तक जांच का दायरा बढ़ाया गया है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में तलाशी और गिरफ्तारी की कार्रवाई लगातार दिखाई दे रही है।

शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी सीमा पार आतंकी साजिश के मामले में कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर सहित दस स्थानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसियों के अनुसार इस मामले की कड़ियां पाकिस्तान में बैठे लश्कर के आकाओं और घाटी में सक्रिय उनके स्थानीय सहयोगी तंत्र से जुड़ी हुई हैं। ये स्थानीय सहयोगी आतंकवादियों को घुसपैठ के बाद रसद, हथियार और दूसरी जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में भूमिका निभाते हैं। ऐसे नेटवर्क को समाप्त करना आतंकवाद के खिलाफ स्थायी सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

आतंकवाद की चुनौती को समझने के लिए कश्मीर की भौगोलिक और सामरिक स्थिति को भी देखना होगा। जम्मू-कश्मीर लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का सामना करता आया है। नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास की संवेदनशील परिस्थितियों का फायदा उठाकर आतंकवादी संगठनों ने समय-समय पर घुसपैठ की कोशिश की है। सीमा पार बैठे आतंकी संगठनों के लिए स्थानीय सहयोगी नेटवर्क किसी भी साजिश को जमीन पर उतारने का महत्वपूर्ण माध्यम

रहा है। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदा रणनीति में इन सहयोगियों की पहचान और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इस पूरे अभियान में स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसी भी आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए केवल केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती। स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और जमीन पर उपलब्ध सूचनाओं का सही इस्तेमाल अभियान की सफलता में निर्णायक भूमिका निभाता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच बेहतर तालमेल से आतंकवादियों और उनके मददगारों तक पहुंचने में सुरक्षा एजेंसियों को सहायता मिल रही है। इस मामले में 31 मार्च 2026 को एक नाके पर लश्कर से जुड़े एक ओवर ग्राउंड वर्कर की गिरफ्तारी के बाद जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिली थी। उसके कब्जे से हैंड ग्रेनेड और कारतूस बरामद किए गए थे। इसके बाद जांच आगे बढ़ी और आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों को तलाशने का सिलसिला तेज हुआ। किसी एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उससे जुड़े संपर्कों, वित्तीय गतिविधियों, हथियारों की आपूर्ति और दूसरे सहयोगियों की जानकारी सामने आना जांच का स्वाभाविक हिस्सा है। इसी आधार पर अब अलग-अलग स्थानों पर तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद की स्थिति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकवाद के पारंपरिक ढांचे के साथ-साथ उसके नए तरीकों पर भी नजर रख रही हैं। आतंकवादी संगठनों की कोशिश रहती है कि स्थानीय स्तर पर ऐसा नेटवर्क तैयार किया जाए जो सीधे हथियार उठाए बिना आतंकियों की सहायता करता रहे। यही नेटवर्क आतंकवादियों के लिए सूचना, आवागमन, ठिकाने और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था कर सकता है। ऐसे तंत्र को कमजोर करने से आतंकवादियों की गतिविधियों पर सीधा असर पड़ता है। सरकार की ओर से आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में संरक्षण या सहायता देने वालों के प्रति नरमी नहीं बरती जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदा कार्रवाई इसी नीति को जमीन पर लागू करने की दिशा में दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल मुठभेड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके आर्थिक, सामाजिक और संगठनात्मक आधार को कमजोर करना भी उतना ही जरूरी है। कश्मीर में पिछले वर्षों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आतंकवादी नेटवर्क पर दबाव बढ़ा है। हालांकि चुनौती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। सीमा पार से आतंकवाद को समर्थन देने की कोशिशें अभी भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय हैं। ऐसे में खुफिया तंत्र को मजबूत करना, सीमा सुरक्षा को प्रभावी बनाना और स्थानीय स्तर पर संदिग्ध नेटवर्क की पहचान करना लगातार आवश्यक बना रहेगा। कश्मीर के आम नागरिकों के लिए भी आतंकवाद के खिलाफ यह कार्रवाई महत्वपूर्ण है। लंबे समय से हिंसा और अस्थिरता का सबसे बड़ा नुकसान सामान्य नागरिकों को उठाना पड़ा है। आतंकवाद का असर शिक्षा, रोजगार, व्यापार, पर्यटन और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। जब सुरक्षा वातावरण मजबूत होता है तो सामान्य जीवन को गति मिलती है और विकास की गतिविधियां भी तेजी से आगे बढ़ती हैं। इसलिए आतंकवाद के नेटवर्क को कमजोर करना केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि कश्मीर के सामाजिक और आर्थिक भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। कुलगाम और शोपियां में हुई ताजा छापेमारी इस व्यापक रणनीति का हिस्सा है। जांच एजेंसियां आतंकवाद की प्रत्येक कड़ी को तलाश रही हैं और सीमा पार से संचालित साजिशों तथा स्थानीय सहयोगी नेटवर्क के बीच संबंधों की जांच कर रही हैं। आने वाले दिनों में इन तलाशी अभियानों से और तथ्य सामने आ सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एशियन गेम्स में रविवार से निशानेबाजी का रण, 30 भारतीय निशानेबाज पदक पर लगाएंगे निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में निशानेबाजी प्रतियोगिताएं रविवार से शुरु हो रही हैं। प्रतियोगिता में भारत का निशानेबाजी दल अनुभव, अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों और उभरती प्रतिभाओं के मजबूत संयोजन के साथ उतरेगा। कुल 30 भारतीय निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय टीम में ऐसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो बड़े मंच पर सफलता हासिल कर चुके हैं। वहीं, कई युवा निशानेबाज अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बना रहे हैं।

राइफल टीम में अनुभवी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजों के साथ कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता साबित की है। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर मौजूद ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। ऐश्वर्य ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में रजत पदक जीता था। 50 मीटर 3 पोजीशन में उनके साथ नीरज कुमार होंगे। महिलाओं की स्पर्धा में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदर्सा के. विनोद भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। रुद्रांक्ष बी. पाटिल भी भारतीय राइफल टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन दोनों स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। 10 मीटर एयर राइफल में भारत की ओर से इलावेनिल वलारिवन, पार्थ राजेश माने, हिमांशु ढिल्लों, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के. विनोद भी चुनौती पेश करेंगे। भारत की पिस्टल टीम में देश के मौजूदा निशानेबाजी कार्यक्रम के कई प्रमुख नाम शामिल हैं। पेरिस 2024 ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीत चुकीं मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। 10 मीटर एयर पिस्टल में उनकी मौजूदा विश्व रैंकिंग 12वीं है। ईशा सिंह भी 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगी। 10 मीटर एयर पिस्टल में सुरुचि, कमलजीत, केदारलिंग बी. उचागनवे और आकाश भारद्वाज भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सुरुचि मिश्रित टीम स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। 25 मीटर पिस्टल में मनु और ईशा के साथ राही प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि अनिश पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में उतरेंगे। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद अनिश 30 सितंबर और एक अक्टूबर को रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। इसका फाइनल एक अक्टूबर को होगा। शॉटगन टीम में अनुभवी ओलंपियन, एशियन गेम्स पदक विजेता और हाल के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले निशानेबाज शामिल हैं।

न्यूजीलैंड ऑलराउंडर रचिन रवींद्र चोटिल, कंधे में लगी चोट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां उसे पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे की शुरुआत से पहले मेजबान न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र हाल ही में ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश करते समय अपने दाहिने कंधे को चोटिल कर बैठे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार 18 सितंबर को चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किए गए प्रारंभिक आकलन में गंभीर क्षति की आशंका नहीं जताई गई है, लेकिन रवींद्र की क्रिकेट में वापसी उनके पुनर्वास के पहले कुछ हफ्तों के दौरान उनकी प्रगति पर निर्भर करेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि रविंद्र 22 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलेंगे या नहीं।न्यूजीलैंड की पुरुष टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम होने के कारण हम रचिन को जरूरत से पहले वापस लाने में जल्दबाजी नहीं करना चाहते।

उनका पुनर्वास बहुत अच्छे से रहा है और हम जल्द ही उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का आगाज 22 अक्टूबर से होगा। इसमें अब करीब एक ही महीने का वक्त बचा हुआ है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पर भारत की नजर, कबड्डी खिलाड़ी देवांक बोले- उन्हें यह करना ही होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम 2026 एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार है। टीम के खिलाड़ी असलम इनामदार और पदार्पण कर रहे देवांक दलाल ने कहा है कि टीम एक बार फिर स्वर्ण पदक घर लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देवांक ने कहा कि टीम ने उन्हें चुना है, तो उन्हें यह करना ही होगा। भारतीय पुरुष टीम एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 21 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम 22 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 23 सितंबर को बांग्लादेश और 24 सितंबर को चीनी ताइपे से भिड़ेगी। सेमीफाइनल मुकाबले 25 सितंबर को होंगे, जबकि स्वर्ण पदक का मुकाबला 26 सितंबर को खेला जाएगा। भारत ग्रुप ए में है। देवांक दलाल की एशियाई खेलों में पहली उपस्थिति है। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में 271 रेड पॉइंट्स के साथ दूसरे सबसे ज्यादा अंक हासिल करने वाले रेडर दलाल ने कहा कि भारतीय टीम में चयन के बाद उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। देवांक ने एक बयान में कहा कि यह मेरा पहला एशियाई खेल है। मैं अपने लिए, अपने परिवार और अपने कोच के लिए खुश हूं। मैं सभी के लिए खुश हूं। अब जब मैं जा रहा हूं, तो मेरी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। मुझे भारत के लिए स्वर्ण पदक लाना होगा। अगर भारत ने मुझे चुना है, तो मुझे यह करना ही होगा। 23 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि भारतीय टीम से जुड़ी उम्मीदों को दबाव के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

श्रीकांत बोले, वैभव बनेगा क्रिकेट का अगला स्टार

एजेंसी, चेन्नई : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह विश्व क्रिकेट का अगला बड़ा स्टार बनेगा। श्रीकांत के अनुसार वैभव में तीनों प्रारुपों में शानदार प्रदर्शन करने का दम है और वे आगे चलकर इस खेल पर राज करेंगे। महज 15 साल की उम्र में, सूर्यवंशी ने अपने असाधारण कौशल और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। श्रीकांत ने सूर्यवंशी के अब तक के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अगर उन्हें सही तरीके से तैयार किया जाए तो वह विश्व क्रिकेट के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, वह बहुत शानदार खेल रहा है। उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, कभी भी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर उसे सही ढंग से तैयार किया जाए, तो वह भविष्य का सुपरस्टार बनेगा। वह टेस्ट क्रिकेट को उसका खोया हुआ गौरव वापस दिलाएगा। उसी की वजह से सबने दिलीप ट्रॉफी देखी।

अदाणी ग्रुप ने आईओए के साथ अपनी साझेदारी का नवीनीकरण किया

एजेंसी, अहमदाबाद

अडानी ग्रुप ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के साथ प्रमुख प्रायोजक के रूप में अपनी साझेदारी का नवीनीकरण किया है। इसके साथ ही ग्रुप ने भारतीय खेल और सर्वोच्च स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के प्रति अपने दीर्घकालिक समर्थन की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह साझेदारी ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के दौरान भी जारी थी, जहां भारत 39 पदकों-13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर रही। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक होने वाले एशियाई खेलों के साथ आईओए के साथ यह नवीनीकृत साझेदारी जारी रहेगी। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अडानी ने एक बयान में कहा कि भारतीय एथलीट वैश्विक मंच पर लगातार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। हमें खुशी है कि हमने भारतीय ओलंपिक संघ के साथ अपनी साझेदारी को नवीनीकृत किया है। अहमदाबाद में 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स होने वाले हैं, ऐसे में एक मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण समय है। अपने 'गर्व है' पहल के माध्यम से हम भारत की खेल प्रतिभाओं को समर्थन देने और हमारे खिलाड़ियों को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने कहा कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन हमारे खिलाड़ियों की प्रतिभा और बढ़ती ताकत को दर्शाता है। भारतीय ओलंपिक संघ के साथ अपनी साझेदारी जारी रखने के लिए हम अडानी ग्रुप के आभारी हैं।

बिजनेस

एससीओ के व्यापार मंत्रियों ने 2026-30 के लिए एक्शन प्लान को दी मंजूरी

- एससीओ देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों की 25वीं बैठक ताजिकिस्तान में संपन्न
- भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए 'सुरक्षा, संपर्क और अवसर' के तीन स्तंभों पर दिया बल

एजेंसी, नई दिल्ली

ताजिकिस्तान में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों की 25वीं बैठक में एससीओ के व्यापार मंत्रियों ने 2026-30 के लिए 'एक्शन प्लान' को मंजूरी दी। मंत्रियों ने 'शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों के वक्तव्य' को पारित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच आर्थिक और विदेश व्यापार के क्षेत्रों में जारी सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही एससीओ ढांचे के भीतर व्यापार एवं आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए 'सुरक्षा, संपर्क और अवसर' के तीन स्तंभों पर बल दिया। मंत्रालय के मुताबिक एससीओ के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों ने शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के बहुपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 2026-2030 की कार्य योजना पर सहमति व्यक्त की, जिसे एससीओ सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों (प्रधानमंत्रियों) की परिषद द्वारा आगे अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। इसके अलावा मंत्रियों ने 'रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विकास पर शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के विशेष कार्य समूह पर विनियम' को भी मंजूरी दी। मंत्रियों ने एससीओ बिजनेस काउंसिल के प्रतिनिधि द्वारा परिषद की गतिविधियों पर प्रदान की गई जानकारी पर चर्चा की। उन्होंने ताजिकिस्तान द्वारा प्रस्तुत एससीओ आर्थिक विश्लेषणात्मक केंद्रों के संघ की गतिविधियों से संबंधित जानकारी का भी संज्ञान लिया। वहीं, यशवीर सिंह ने भारत का पक्ष रखते हुए एससीओ की महत्वपूर्ण आर्थिक क्षमता और इस क्षमता को एससीओ के भीतर ही व्यापार में वृद्धि, व्यापार लागत में कमी, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए ठोस परिणामों में बदलने के महत्व पर प्रकाश डाला।

बिश्केक में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्त किए गए दृष्टिकोण का हवाला देते हुए भारत ने सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के तीन स्तंभों पर प्रकाश डाला। भारत ने आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ाने, कुशल और विश्वसनीय कनेक्टिविटी विकसित करने और व्यापक बाजार पहुंच के माध्यम से व्यवसायों के लिए अवसरों का विस्तार करने में इनके आर्थिक महत्व पर भी बल दिया। भारत ने व्यापार से जुड़ी लागत और समय को कम करने में व्यापार सुगमता और डिजिटलीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। इस संदर्भ में भारत ने सरल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, कागज रहित व्यापार और दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान के साथ-साथ मजबूत बहुआयामी कनेक्टिविटी और पारगमन समय में कमी की आवश्यकता पर बल दिया। भारत ने कृषि, महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल्स, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविधतापूर्ण बनाने और मजबूत करने के लिए एससीओ सदस्य देशों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया। ऊर्जा सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।

थोक ग्राहकों के लिए चीनी भंडार रखने की सीमा 15 दिन से बढ़कर 30 दिन हुई

एजेंसी, नई दिल्ली

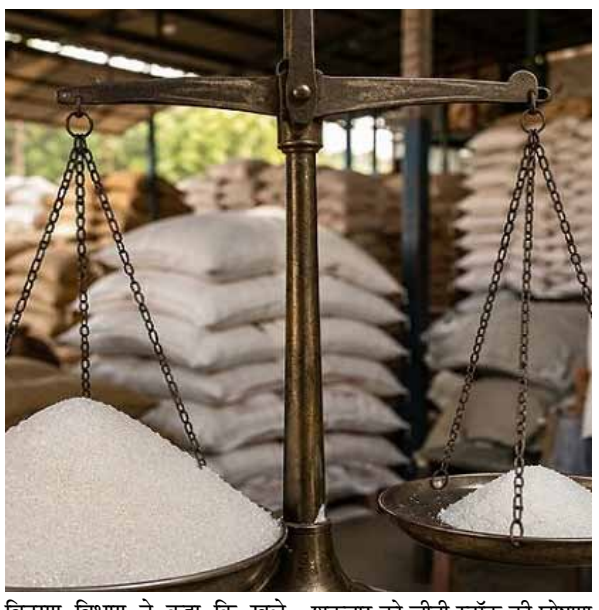

केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले थोक उपभोक्ताओं के लिए चीनी का स्टॉक रखने की समय सीमा 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दी है। सरकार के इस कदम से औद्योगिक आपूर्ति सुनिश्चित होने के साथ ही कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है। इस अतिरिक्त स्टॉक की खरीद अग्रिम स्वीकृति योजना (एएएस) और शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत आयातित चीनी से ही की जाएगी। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को त्योहारी सीजन के दौरान अधिक लचीलापन प्रदान करना है।

सरकार ने ये फैसला त्योहारी सीजन से पहले लिया गया है, जब चीनी की मांग बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के मुताबिक खुदरा चीनी की कीमतों में लगभग 10 फीसदी तक की गिरावट आई है। सरकार ने व्यापारियों और थोक विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे कम हुई कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने कहा कि खुले बाजार से चीनी की खरीद के लिए स्टॉक रखने की सीमा अपरिवर्तित रहेगी और केवल 15 दिनों की खपत तक ही सीमित रहेगी। सरकार ने थोक उपभोक्ताओं के द्वारा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए प्रत्येक शुक्रवार को चीनी स्टॉक की घोषणा और साप्ताहिक जानकारी के लिए एक तंत्र भी स्थापित किया है। सरकार ने चीनी के प्रमुख थोक उपभोक्ताओं के साथ विस्तृत परामर्श करके स्थिर और व्यवस्थित चीनी बाजार बनाए रखने के उद्देश्य से उनके सुझावों पर विचार किया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्सियम गैस का आईपीओ, 25 सितंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में प्राइम फ्यूल ब्रांड के तहत 20 से अधिक ऑटो एलपीजी डिस्पेंसिंग स्टेशन का संचालन करने तथा एलपीजी व सीएनजी पाइपलाइन नेटवर्क का डिजाइन और निर्माण करने वाली कंपनी एक्सियम गैस इंजीनियरिंग लिमिटेड का 50.75 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 22 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 25 सितंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन यह आईपीओ 62 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 51 रुपये से लेकर 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,16,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 93.98 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 18.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 37.96 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 37.96 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.09 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्काई कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं सनफ्लावर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

नई दिल्ली की कंपनी हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

सेबी के समक्ष जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार नई दिल्ली स्थित कंपनी हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड के प्रस्तावित आईपीओ में दो रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाले 300 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू एवं प्रमोटरों और एक निवेशक द्वारा 'ऑफर-फॉर-सेल' (ओएफएस) शामिल है। इस ओएफएस के तहत प्रमोटर अजय कुमार बंसल और विपुल बंसल तथा निवेशक 'द वेल्थ कंपनी अल्टरनेट ट्रस्ट-इंडिया इन्फ्लेक्शन अपॉर्चुनिटी फंड' अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, जिसमें अजय कुमार बंसल 75 करोड़ रुपये और विपुल बंसल 25 करोड़ रुपये तक के शेयर ऑफर कर रहे हैं। वहीं, इन्वेस्टर-द वेल्थ कंपनी अल्टरनेट ट्रस्ट-इंडिया इन्फ्लेक्शन अपॉर्चुनिटी फंड 20,268,225 शेयर तक ऑफर कर रहा है। हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड की योजाना नए इश्यू से मिलने वाली रकम में से करीब 126 करोड़ रुपये के इस्तेमाल नागपुर में मौजूद कंपनी की यूनिट में एपीआई-ग्रेड एचएसएडब्ल्यू पाइप बनाने वाली यूनिट और 3एलपीई कोटिंग यूनिट लगाने के लिए किया जाएगा, जबकि 90 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए होगा और कुछ हिस्सा आम कॉरपोरेट कामों के लिए रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1993 में बनी ये कंपनी अलग-अलग कामों में इस्तेमाल होने वाले हेलिकल सबमर्ज्ड आर्क वेल्डेड (एचएसएडब्ल्यू) पाइप बनाती और सप्लाई करती है। ये कंपनी गुजरात के साणंद और महाराष्ट्र के नागपुर में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के ज़रिए भारत के 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फ्लो सॉल्यूशन प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराती है।

तेज नहीं, बस चलते रहना जरूरी है : अनिल कपूर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी फिटनेस यात्रा से जुड़ा एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वह रेसिंग ट्रैक पर पूरी ताकत के साथ दौड़ते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के साथ एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि लगभग चार साल बाद उन्होंने इस तरह अपनी दौड़ को रिकॉर्ड किया है। इन चार सालों में उनकी रफ्तार जरूर बदली, लेकिन उनका सफर कभी रुका नहीं। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए इस वीडियो में रेसिंग ट्रैक पर पूरी गति से दौड़ते हुए अपनी दृढ़ता और समर्पण का प्रदर्शन किया है। वह अपनी पूरी रफ्तार के साथ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं, जो उनकी अद्भुत फिटनेस का प्रमाण है। इस वीडियो को साझा करते हुए, अनिल ने अपने पुराने रनिंग वीडियो को भी याद किया और बताया कि कैसे लगभग चार साल बाद उन्होंने फिर उसी तरह अपनी दौड़ को रिकॉर्ड किया है। अपने कैप्शन में, अनिल कपूर ने लिखा, चार साल हो गए हैं, जब मैंने आखिरी बार इस तरह की अपनी रनिंग रिकॉर्ड की थी। यह सफर वास्तव में कभी रुका नहीं, बस इसकी रफ्तार बदली, इसका रूप बदला और यह आगे बढ़ता रहा। प्रगति हमेशा इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप कितनी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कभी-कभी बस चलते रहना ही काफी होता है। अनिल की यह बात सिर्फ दौड़ने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका एक गहरा दार्शनिक अर्थ भी है। वह यह बताने की कोशिश करते दिख रहे हैं कि जिंदगी में हर समय एक जैसी गति से आगे बढ़ना जरूरी नहीं है। कभी आप बहुत तेजी से प्रगति करते हैं, तो कभी परिस्थितियों की वजह से आपकी रफ्तार थोड़ी धीमी हो जाती है। लेकिन अगर आप रुकते नहीं हैं और अपनी कोशिश जारी रखते हैं, तो वही वास्तविक प्रगति है। शायद यही वजह है कि चार साल बाद ट्रैक पर दौड़ते अनिल कपूर का यह वीडियो सिर्फ एक फिटनेस पोस्ट बनकर नहीं रह गया, बल्कि यह जीवन में निरंतरता और धैर्य के महत्व को भी दर्शाता है। कार्यक्षेत्र की बात करें तो, अनिल कपूर इन दिनों इंडिया के टॉप 1 परसेंट नामक शो की मेजबानी कर रहे हैं। यह शो अंतर्राष्ट्रीय फॉर्मेट द 1 परसेंट क्लब का भारतीय संस्करण है। यह फॉर्मेट नीदरलैंड्स, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, तुर्की, यूक्रेन, मैक्सिको और अमेरिका जैसे कई देशों में दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना चुका है। अब इसी लोकप्रिय फॉर्मेट को भारतीय दर्शकों के लिए प्रस्तुत किया गया है, जिसमें अनिल कपूर अपनी खास शैली में इसे होस्ट कर रहे हैं। इस शो के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने 7 अगस्त को कहा था कि इसमें आने वाली हर चुनौती प्रतियोगी की ऑब्जर्वेशन, लॉजिक, प्रेजेंस ऑफ माइंड और दबाव में शांत रहने की क्षमता को परखेगी। यह शो 5 सितंबर को प्रसारित हुआ, और अनिल कपूर एक बार फिर अपने विविध कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनका यह वीडियो उनके जीवन के इस दर्शन को और मजबूत करता है कि चाहे काम हो या व्यक्तिगत जीवन, महत्वपूर्ण यह है कि आप चलते रहें और कभी हार न मानें। बता दें कि बॉलीवुड के सदाबहार सितारे अनिल कपूर अपनी फिटनेस और ऊर्जा के लिए जाने जाते हैं, जो आज भी उनके प्रशंसकों को अचंभित करती है। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका फिटनेस के प्रति जुनून लोगों को खूब प्रेरित करता है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म, ओटीटी अभिनेता अंबरीश वर्मा संग बनेगी जोड़ी

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर' की अपार सफलता के बाद युवा अभिनेत्री सारा अर्जुन इन दिनों भारतीय सिनेमा के गलियारों में चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र बनी हुई हैं। इस बहुचर्चित फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए यालीना जमाली के किरदार ने दर्शकों के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी है। उम्र में अपने सह-कलाकार रणवीर सिंह से लगभग बीस साल छोटी होने के बावजूद, पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री और तालमेल की जमकर तारीफ हुई है। इस भूमिका ने सारा को रातों-रात एक नया स्टारडम दिला दिया है और उनके अभिनय कौशल का लोहा हर किसी ने माना है। यही वजह है कि उनके प्रशंसक और फिल्मी दुनिया के जानकार लगातार उनकी आने वाली परियोजनाओं पर पैनी नजर रखे हुए हैं। इसी बीच फिल्मी गलियारों से सारा अर्जुन को लेकर एक बेहद बड़ी और रोमांचक खबर सामने आ रही है। खबरों का बाजार गर्म है कि धुरंधर की भारी सफलता के तुरंत बाद सारा को अपनी अगली बड़ी फिल्म मिल गई है। इस नई और महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्देशन कोई और नहीं, बल्कि सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'टाइगर 3' का निर्देशन कर चुके दिग्गज निर्देशक मनीष शर्मा करने जा रहे हैं। मनीष शर्मा जैसे अनुभवी और मंझे हुए निर्देशक के साथ सारा का जुड़ना उनके करियर के लिए एक बहुत बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। इस नई फिल्म की घोषणा से भी अधिक चर्चा जिस बात की हो रही है, वह है सारा अर्जुन का यशराज फिल्म्स के साथ जुड़ना। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री ने अपनी मौजूदा टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी के साथ अपना करार खत्म कर लिया है और अब वह आधिकारिक रूप से 'वाईआरएफ टैलेंट' का हिस्सा बन गई हैं। यशराज फिल्म्स की यह टैलेंट मैनेजमेंट शाखा भारतीय सिनेमा में नई प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें स्टारडम की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जानी जाती है। वाईआरएफ टैलेंट पहले से ही शरवरी, अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे उभरते हुए युवा सितारों के करियर को आकार दे रहा है, और अब इस प्रतिष्ठित सूची में सारा अर्जुन का नाम भी जुड़ चुका है। इस नई फिल्म में सारा अर्जुन के साथ अभिनेता अंबरीश वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आ सकते हैं। अंबरीश वर्मा ने हाल ही में अमेजन प्राइम वीडियो की चर्चित वेब सीरीज 'सपने वर्सेस एवरीवन' में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। अगर ये मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह सच साबित होती हैं, तों बड़े पर्दे पर पहली बार दर्शकों को सारा अर्जुन और अंबरीश वर्मा की एक नई और अनोखी जोड़ी देखने को मिलेगी।

'धुरंधर' के बाद सारा अर्जुन का बड़ा धमाका: YRF और मनीष शर्मा से मिला हाथ

दोनों ही कलाकारों की पृष्ठभूमि और अभिनय का तरीका एक-दूसरे से काफी अलग रहा है। एक तरफ जहां सारा ने तमिल और मलयालम सिनेमा के अलावा हिंदी फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है, वहीं दूसरी तरफ अंबरीश ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। ऐसे में इन दोनों अलग-अलग शैलियों के कलाकारों को एक साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए एक बेहद दिलचस्प और ताज़ा अनुभव साबित होगा। फिलहाल, आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' के जरिए सारा अर्जुन ने जो मुकाम हासिल किया है, उसने बॉलीवुड में उनके लिए अवसरों के कई नए दरवाजे खोल दिए हैं। इतनी कम उम्र में अपनी अदाकारी से दर्शकों को प्रभावित करना और बड़े बैनर की नजरों में आना सारा की काबिलियत को साफ तौर पर दर्शाता है। वाईआरएफ टैलेंट के साथ हाथ मिलाना और मनीष शर्मा के निर्देशन में काम करने की खबरें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि सारा का आने वाला समय भारतीय सिनेमा में बेहद शानदार रहने वाला है। हालांकि, इस परियोजना को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार अभी भी फैंस को है, लेकिन इस खबर ने पहले ही मनोरंजन जगत में उत्सुकता का माहौल बना दिया है।

संगीत सोभन और अनस्वरा राजन की नई फिल्म 'अंथा रामुलोरु चूसुकुंतारु की पहली झलक जारी

अभिनेता संगीत सोभन और अभिनेत्री अनस्वरा राजन की आगामी फिल्म 'अंथा रामुलोरु चूसुकुंतारु की पहली झलक जारी कर दी गई है। फिल्म का निर्देशन 'कुमारी 21 एफ फेम पलनाटी सूर्या प्रताप कर रहे हैं। अपने अलग तरह के और मनोरंजक फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले संगीत सोभन इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की झलक जारी करते हुए इसकी कहानी और प्रमुख किरदारों की हल्की झलक दर्शकों के सामने रखी है। फिल्म का शीर्षक 'अंथा रामुलोरु चूसुकुंतारु अपने आप में दिलचस्प है और इससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ी है। जारी की गई झलक में संगीत सोभन और अनस्वरा राजन को मुख्य भूमिकाओं में मारुति और सिरिशा के किरदार निभाते देखा गया। दोनों के बीच रोमांटिक दृश्यों को सहज और आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। हालांकि झलक का अंत अचानक चौंकाने वाले मोड़ के साथ होता है, जिससे फिल्म की कहानी को लेकर रहस्य बरकरार रहता है। संगीत सोभन फिल्म में गोदावरी क्षेत्र के एक सामान्य युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने स्थानीय लहजे और अपने जोशीले अंदाज के जरिए किरदार को प्रभावी बनाने की कोशिश की है। वहीं अनस्वरा राजन शहर की आधुनिक युवती के किरदार में नजर आती हैं। दोनों कलाकारों की जोड़ी

और उनके बीच की सहज केमिस्ट्री झलक में खास तौर पर ध्यान खींचती है। फिल्म की झलक में पृष्ठभूमि संगीत और छायांकन भी आकर्षण का केंद्र रहे। दृश्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे कहानी के भावनात्मक और रोमांटिक पक्ष को मजबूती मिलती है। ग्रामीण और शहरी परिवेश के अंतर को भी झलक में उभारने की कोशिश की गई है। धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट्स और वीजीबी एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले फिल्म का निर्माण धीरज मोगिलिनेनी और गिरीबाबू वल्लभनेनी कर रहे हैं। निर्देशन की जिम्मेदारी पलनाटी सूर्या प्रताप के पास है। फिल्म की पहली झलक में प्रेम कहानी, हास्य, स्थानीय रंग और रहस्य का मेल देखने को मिला है। संगीत सोभन और अनस्वरा राजन की जोड़ी तथा पलनाटी सूर्या प्रताप के निर्देशन को लेकर अब दर्शकों की निगाहें फिल्म की अगली झलक और प्रदर्शन की तारीख पर टिकी हैं।

गणेश चतुर्थी पर्व मनाना मेरी सास ने शुरु किया था: सुनीता आहूजा

हाल ही में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अपने घर में गणपति महाराज का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सुनीता आहूजा ने बताया कि उनके घर में गणपति स्थापना की यह प्रथा गोविंदा की मां ने शुरू की थी, और वे इस परंपरा को पूरे भक्तिभाव से आगे बढ़ा रही हैं। गणेश चतुर्थी मनाने के पीछे की वजह बताते हुए सुनीता आहूजा ने कहा, गणेश चतुर्थी पर्व मनाना मेरी सास ने हमारे पुराने ऑफिस से शुरू किया था। तब से यह प्रथा चली आ रही है, तो मैंने सोचा कि जब तक जीवित हूं, तब तक तो गजानन को घर पर लेकर आऊंगी। अब ये प्रथा चलती रहेगी क्योंकि गणेश भगवान हमारे प्रथम देवता हैं, उनसे बढ़कर कोई नहीं है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए अपने परिवार की इस परंपरा और आगामी परियोजनाओं के बारे में कई खुलासे किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गणेश भगवान उनके परिवार के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं और वे इस परंपरा को पूरी श्रद्धा के साथ निभाती हैं। पिछले एक साल में बप्पा की कृपा का जिक्र करते हुए सुनीता आहूजा ने अपनी हालिया सफलताओं को साझा किया। उन्होंने कहा, आखिरी साल मैंने यूट्यूब चैनल शुरू किया था और इस बार मैंने दो शोज किए हैं।

ऐसा लग रहा जैसे बप्पा जल्दी आ गएः तुषार कपूर

गणेश चतुर्थी के अवसर पर बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर ने भी परिवार के साथ भगवान गणेश का स्वागत किया। मीडिया से बात करते हुए तुषार कपूर ने अपनी खुशी साझा की। अभिनेता ने बताया कि उनका परिवार इस 52वें गणपति उत्सव के लिए भगवान गणेश का स्वागत करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। अभिनेता ने इस त्योहार को अपने परिवार की परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ बताया। उन्होंने कहा कि बप्पा के आने से सभी बेहद खुश हैं। तुषार कपूर ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मैं कहूंगा कि यह हमारे परिवार के लिए गणपति उत्सव का 52वां जश्न है। हमने बप्पा के लिए बहुत प्रार्थना की, इसलिए ऐसा लग रहा है कि बप्पा जल्दी आ गए। उन्होंने इस साल हम सभी को बहुत व्यस्त रखा। यह उनके परिवार की दशकों पुरानी परंपरा और भगवान गणेश के प्रति उनकी गहरी आस्था को दर्शाता है। उनके अनुसार, बप्पा की कृपा से ही उनके जीवन में व्यस्तता और सकारात्मकता बनी हुई है। अभिनेता ने आगे कहा कि यह त्योहार साथ रहने और सकारात्मकता का एहसास कराता है, और बप्पा के आने से परिवार के लिए यह मौका और भी शुभ हो गया है। उन्होंने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी गणेश भगवान की कृपा से जोड़ा। तुषार ने कहा, मुझे लगता है कि दुनिया की बाकी अर्थव्यवस्थाएं भारत जितनी अच्छी नहीं चल रही हैं। सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बप्पा की ही देन है। बप्पा की वजह से हम व्यस्त रहे और ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि वह हमसे लंबे समय तक दूर रहे। यह उनके देशप्रेम और आध्यात्मिक विश्वास का मिश्रण दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे पिछले कुछ सालों में गणपति उत्सव का दायरा बढ़ा है और अब पहले से कहीं ज़्यादा लोग इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। तुषार कपूर ने उत्सव के दौरान शहर में बेहतर नागरिक प्रबंधन (सिविक मैनेजमेंट) की भी तारीफ की, जिसमें ध्वनि नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और साफ-सफाई जैसे पहलू शामिल हैं। उन्होंने कहा, आजकल बहुत से लोग त्योहार मनाते हैं। पहले से कहीं ज़्यादा। लेकिन, शहर का सिविक मैनेजमेंट भी बहुत व्यवस्थित है, चाहे वह साउंड हो, ट्रैफिक हो या साफ-सफाई। यह दर्शाता है कि कैसे यह त्योहार अब एक बड़े सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन में बदल गया है। तुषार ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, मैं कहूंगा कि भारत चमक रहा है और बप्पा हमें चमकने में मदद कर रहे हैं। यह वाक्य उनके आशावाद और देश के भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। तुषार कपूर ने मुंबई में अपने परिवार के साथ गणेश चतुर्थी मनाई और इस अवसर की कई झलकियां इंस्टाग्राम पर भी साझा कीं। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को त्योहार की बधाई देते हुए लिखा, हमेशा की तरह सौभाग्य और समझदारी बनी रहे! गणपति बप्पा मोरया! इस शुभ अवसर पर, बॉलीवुड की कई अन्य हस्तियों ने भी सोशल मीडिया पर गणेश चतुर्थी की बधाई दी।

नहीं हुजूर, मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा हूं: अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने काम से रिटायरमेंट लेने की उड़ रही अफवाहों पर खुद विराम लगा दिया है। बिग बी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल उनका सेवानिवृत्त होने का कोई इरादा नहीं है। दरअसल, दिग्गज अभिनेता के हालिया ब्लॉग पोस्ट के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वे अपने व्यस्त करियर से दूरी बनाने पर विचार कर रहे हैं। इन अफवाहों को खारिज करते हुए, मेगास्टार ने फिर से एक ब्लॉग पोस्ट किया और अपनी पहले की बात को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने प्रशंसकों और मीडिया को संबोधित करते हुए लिखा, नहीं हुजूर, मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा हूं, अंग्रेजी में इसका मतलब है कि मैं अब सोने जा रहा हूं और आपको वहां आने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। इस स्पष्टीकरण से उन्होंने उन सभी अटकलों पर पूर्णविराम लगा दिया, जो उनके पहले के पोस्ट से पैदा हुई थीं। यह सारा भ्रम तब पैदा हुआ जब दिग्गज अभिनेता ने अपने पिछले ब्लॉग में लिखा था कि कैसे उनकी कुछ ब्लॉग एंट्री को अक्सर गलत समझा जाता है और जिस तरह से उनके शब्दों का अर्थ निकाला जाता है और रिपोर्ट किया जाता है, उस पर मजाक उड़ाया जाता है। उन्होंने अपने उस खास पोस्ट को और मैं रिटायर हो गया शब्दों के साथ खत्म किया था, जिससे बाद में यह अंदाजा लगने लगा कि क्या वह अपने अभिनय करियर या पेशेवर प्रतिबद्धताओं से सेवानिवृत्त होने की बात कर रहे थे। इस एक वाक्य को कई लोगों ने उनके करियर के समापन के संकेत के रूप में व्याख्या कर लिया था। अपनी नवीनतम पोस्ट में, अमिताभ बच्चन ने साफ किया कि रिटायर शब्द का इस्तेमाल उनके द्वारा सोने जाने के संदर्भ में किया गया था, न कि अभिनय या अपने पेशेवर दायित्वों से दूर जाने के लिए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके प्रशंसक और मीडिया उनके शब्दों का सही अर्थ समझें और किसी भी गलतफहमी से बचें।

क्या आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा? इन संकेतों से लगाएं पता

नमक का सेवन शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हालांकि, कई लोग स्वास्थ्य पर इसके असर के कारण इसका सेवन कम कर देते हैं या फिर छोड़ देते हैं। ऐसा करने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पाता और इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शरीर को कम नमक मिल रहा है। अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है तो पसीना कम आने लगता है। नमक का सेवन शरीर में सोडियम का स्तर बनाए रखता है, जो पसीना आने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो पसीना बनना बंद हो जाता है। इसके अलावा नमक की कमी से शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है, जिसके कारण पसीना कम आता है। अगर आपके सिर में लगातार दर्द हो रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है। जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो रक्तचाप के स्तर में बदलाव होने लगता है। रक्तचाप में बदलाव से सिरदर्द होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही इससे सिरदर्द के साथ-साथ चक्कर आना और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है। अगर आपको अक्सर मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है। नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है। अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है। चक्कर आना भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है। नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड रक्त वाहिकाओं को खुला रखता है। इससे शरीर में रक्त संचार सही रहता है, लेकिन जब सोडियम और क्लोराइड की कमी हो जाती है तो रक्त वाहिकाएं खुली नहीं रह पातीं, जिससे शरीर में रक्त संचार सही से नहीं हो पाता और चक्कर आने लगते हैं।

थकान और कमजोरी महसूस होना

आपको लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है। नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है। अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं होती हैं।

Post Satya Niketan, over 50 PGs near Delhi University's North Campus served notices

New Delhi, Agency: Days after the collapse of a building in Satya Niketan, the Delhi Police have served notices on more than 50 paying guest (PG) accommodations in and around Delhi University's North Campus, seeking details of their licences, occupancy and safety arrangements.

The PGs in areas such as Kamla Nagar, Malka Ganj and Bungalow Road have been asked to produce operational and safety records as part of a verification exercise.

According to a notice issued by the Station House Officer of the Roop Nagar police station and accessed by The Tribune, operators have been directed to submit ownership, lease or occupancy documents and permissions for running the premises as PG or student accommodation. They have also been asked to provide applicable licences NOCs and approvals issued by the MCD, DDA, Delhi Fire Services and Delhi Police.

The operators have been asked to furnish sanctioned building plans, occupancy or completion certificates and structural safety or stability certificates, wherever applicable. Details and supporting documents for any additional floors, basements, mezzanines, rooms or terraces being used for accommodation have also been sought.

The notices further seek details of fire-safety arrangements, including fire-safety certificates, firefighting equipment, emergency exits, staircases and escape routes.

-The police have also sought the total number of occupants, floor and room-wise occupancy details, resident registers and records of police or tenant verification. Operators have been directed to disclose any portion being used beyond its sanctioned or permitted capacity.

The police have warned that overcrowding, unauthorised construction, absence of mandatory licences or fire and structural safety violations could invite action under the law. Cases falling under the jurisdiction of other statutory authorities may also be referred to them for appropriate action.

Meanwhile, an MCD safety survey of 2,453 PG buildings across Delhi has flagged four as visually dangerous, with 89 people residing in them. Another 85 buildings have been identified as potentially vulnerable because of possible weaknesses in their load-bearing or framed structures.

The survey also found 121 buildings requiring repairs, including 30 categorised as requiring major repairs and immediate attention. Civil Lines and the South Zone have emerged as key areas of concern.

Car hits bike, drags it for 100 metres on Delhi road; driver held

New Delhi, Agency: A car dragged a parked motorcycle for about 100 metres after hitting it on Africa Avenue Road near R K Puram Metro Station on Wednesday night, police said.

The motorcyclist, identified as 21-year-old Tanish Tokas, fell from the bike but escaped serious injury, while the driver, identified as 73-year-old Venu Gopal, was arrested.

The incident took place around 10pm on September 17 when Tokas, a resident of Munirka Village, was sitting on his parked black motorcycle on the roadside. Gopal, a resident of Vasant Kunj, was travelling from Bhikaji Cama Place towards R K Puram Metro Station in a blue Honda Amaze when the car hit the motorcycle.

Tokas fell from the motorcycle after the impact, while the bike was dragged for about 100 metres. Tokas himself was not dragged by the car, police said.

Police received information about the accident at around 10.22pm and reached the spot. The Honda Amaze was seized and Gopal was apprehended during the investigation.

A case under sections 281 and 125(a) of the Bharatiya Nyaya Sanhita has been registered at R K Puram police station.

City set to get parking space for 6,400 vehicles by Oct-end

New Delhi, Agency: By the end of Oct, the city is expected to get additional parking space for about 6,400 vehicles.As part of measures to control air pollution ahead of the winter season, MCD, in accordance with CAQM directions, has identified 81 new sites for developing surface parking lots.

Currently, the civic body has 399 surface parking lots with a capacity to accommodate about 74,000 vehicles. With the addition of the new parking lots, MCD will have 480 surface parking sites -- an increase of 20% -- with a combined capacity of nearly 95,000 vehicles.

The civic body has also finalised sites for developing 12 multilevel parking lots (MLPs). At present, Delhi has 30 MLPs with an estimated capacity of 11,790 vehicles.

Officials said the move is also keeping in mind increased demand and the need to curb roadside parking.

"Tenders for 34 of the 81 sites have been floated while for 30 sites, the exercise to finalise agencies to operate the parking lots will be completed by Sept 24. The remaining 17 sites will be taken up for tender during Oct after mapping is completed," an official said.

The locations have been identified near commercial hubs, markets and hospitals, with parking space being created based on the availability of land, MCD said. Sites transferred by other agencies, including DDA, as well as those previously used for illegal parking, have been incorporated after obtaining approval from Delhi Traffic Police.

The zone-wise breakup of the 34 sites includes Shahdara South (10), Najafgarh (5), City-Sadar Paharganj (4), Karol Bagh (4), West (3), Rohini (3), South (2), Central (1) and Civil Lines (1).

Long queues outside Apple stores across India as iPhone 18 series, 1st foldable iPhone go on sale

New Delhi, Agency: Long queues formed outside Apple stores across India on Friday as customers turned up early to get their hands on the company's latest products, including the iPhone 18 Pro series and its first-ever foldable iPhone, the iPhone Duo.

At a store in Bengaluru, customers began arriving as early as 5am, with buyers travelling from Haryana, Delhi and Mumbai for the launch. One customer, Rahul, said he had been buying iPhones for years and described the annual launch as a "festival".

In Noida, a buyer who had travelled from Punjab said he had been standing in the queue since 6am after booking two iPhone 18 Pro Max devices.

The rush came despite the premium pricing of Apple's latest lineup, which includes the iPhone 18 Pro, iPhone 18 Pro Max, AirPods 5, Apple Watch Series 12, Apple Watch Ultra 4 and the new foldable iPhone Duo.

The iPhone 18 Pro starts at Rs 1,64,900 for the 256GB model, while the iPhone 18 Pro Max starts at Rs 1,79,900. Both models are available in 256GB, 512GB, 1TB and 2TB storage variants.

The 18 Pro series comes in black, silver, glacier and a new burgundy finish. The phones feature a 48MP Fusion Main camera with variable aperture and new Pro camera controls. They are powered by Apple's A20 Pro chip and a new vapour chamber aimed at improving performance, AI features and battery life.

Apple says the iPhone 18 Pro Max offers the longest battery life of any Pro model. Apple's first foldable iPhone The iPhone Duo is the biggest new addition to Apple's lineup and marks the company's entry into the foldable smartphone segment.

Four-day hunt leads to arrest of 5 in Rs 1.5-crore robbery case

New Delhi, Agency: A BCom graduate, a former tuition centre operator, a mobile shop worker and three others allegedly joined hands to execute a gunpoint robbery involving Rs 1.5 crore in cash in central Delhi. Police have arrested five of them.

The robbery took place on Sept 7 when a payment collector, accompanied by a colleague, was travelling in an auto from Church Mission T-point in Old Delhi towards Safdarjung with two bags containing Rs 3 crore. The cash belonged to a businessman involved in property-related business.

When the vehicle reached the Geeta Colony flyover on Outer Ring Road around 8pm, three men riding a black motorcycle intercepted it. Two of them allegedly aimed a pistol-like object, later identified as a pistol-shaped lighter, at themand positioned themselves on either side of the auto before snatching one of the bags containing around Rs 1.5 crore and fleeing towards ITO.

A case of robbery has been filed along with under Arms Act. Joint CP (central) Madhur Verma said investigators examined CCTV footage to reconstruct the routes taken by both parties, besides analysing their movements before and after the robbery. Technical surveillance and field inquiries were also carried out.

After four days of analysing all inputs, police arrested Suraj Pandey (20) from Anand Vihar bus terminal on Sept 12, when he was allegedly trying to flee to Uttar Pradesh. Police said the victims were selected near the T-point outside Old Delhi Railway Station while carrying the bag. The suspects allegedly tracked them after they boarded the auto and intercepted them at a relatively secluded location. Pandey allegedly disclosed the names of the other members of the group.

After Jantar Mantar setback, AIMPLB plans 3-month national UCC campaign, to take battle to states

New Delhi, Agency: The All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB) on Thursday postponed its proposed dharna against the Uniform Civil Code (UCC) at Jantar Mantar after Delhi Police denied permission, citing the "likelihood of a large gathering and difficulty in managing the crowd".

The Board said it had assured authorities that the demonstration would be peaceful and described assembly and protest as constitutional rights. AIMPLB spokesperson S Q R Ilyas, however, advised supporters planning to travel to Delhi not to proceed, asking them to avoid inconvenience and maintain peace.

The demonstration was planned to mark the Delhi launch of the Board's three-month 'Save India, Save Sharia' campaign, also described as its 'Movement for Protection of Constitution and Sharia', to mobilise public opinion on constitutional rights, religious freedom and Muslim personal law.

At an "emergency" press conference, president Maulana Khalid Saifullah Rahmani, spokesperson Dr Syed Qasim Rasool Ilyas and general secretary Maulana Mohd Fazlur Rahim Mujaddidi criticised the denial and said the campaign would continue through other democratic and legal means. The Board plans to hold public-awareness programmes and legal conventions in Hyderabad, Mumbai, Kolkata and Bengaluru, besides reaching out to religious leaders of other faiths, civil rights groups and tribal communities.

The Board has already taken its opposition to the UCC and Waqf law to court. After Uttarakhand notified its UCC on January 27, 2025, AIMPLB filed a challenge in the Uttarakhand High Court in February. After the Gujarat Assembly passed its UCC Bill in March 2026, the Board announced in April that it would challenge the legislation in the Gujarat High Court.

DTC strike enters 4th day: Over 3,000 buses off roads, lakhs of commuters struggle across Delhi

New Delhi, Agency: The DTC drivers' strike entered its fourth day on Friday, with thousands of buses remaining off the roads and commuters across Delhi continuing to face long waits for public transport.

More than 3,000 of the nearly 6,000 buses were reportedly off the roads, according to figures cited by the protesting union. The DTC Karamchari Ekta Union has claimed that the disruption has affected more than 5,000 buses from a fleet of over 6,500. With buses remaining parked at several depots, commuters have been forced to depend on the Metro, autos and e-rickshaws. Bus stops in several parts of the city have seen long queues and extended waiting times.

The strike continued despite transport minister Pankaj Singh's appeal on Thursday to drivers to return to work. Singh said most of their demands had been accepted and that the remaining issue of a salary hike would be taken up after consultation with the labour department. The protesting drivers, however, said they would continue their strike until a concrete solution was reached.

The union has demanded a daily remuneration of Rs 2,000 for drivers, conductors and other employees, medical facilities, annual bonus, payment for government holidays, casual and earned leave, insurance cover and equal remuneration for equal work.

The minister said medical insurance had been agreed upon, while coverage for family members was being considered.

HC raps DU and police over DUSU violence

New Delhi, Agency: Warning it may put counting and results on hold, Delhi High Court Thursday lashed out at "criminal and reckless conduct" of students during campaigning for the Delhi University Students' Union (DUSU) elections. It gave a day's time to DU and police to demonstrate their seriousness in punishing those behind violence and hooliganism.

Campaigning for DUSU polls ended Wednesday. Counting of votes is on Friday.

"No excuses will be accepted... We are making it very clear that though we are not staying the election or postponing the election, if we are not satisfied by your action, tomorrow we can pass harsher orders, including staying the counting and declaration of results... unless such drastic orders are passed, no one is going to come to terms and it is very sad. Please tell us if you are unable to control the situation. We know how to get it done. This can't be permitted," a bench of Chief Justice D K Upadhyaya and Justice Tejas Karia said.

HC was hearing an urgent application filed by lawyer Prashant Manchanda, highlighting rampant violation of earlier court orders, Lyngdoh Committee recommendations, anti-defacement guidelines and the DUSU election code of conduct during the 2026-27 polls.